राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 16 जनवरी 2026 वर्ष-8,अंक-320 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ईडी अफसरों पर नहीं होगी एफआईआर

■ सुप्रीम कोर्ट से ममता सरकार को नोटिस जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। कोलकाता में बीते आठ जनवरी को आई-पैक के कार्यालय और उसके डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर हुई प्रवर्तन निदेशालय की रेड को लेकर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। इस मामले में ईडी और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच तीखी बहस देखने को मिली। सुप्रीम कोर्ट में अब अगली सुनवाई 3 फरवरी को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार और राज्य के डीजीपी को नोटिस जारी किया है। अदालत ने दोनों को दो हफ्ते में जवाब देने का आदेश दिया है। अदालत ने ईडी की याचिका पर नोटिस जारी किया। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई तक ईडी अधिकारियों के खिलाफ FIR पर रोक रहेगी। कोर्ट ने कहा कि एजेंसी के काम में दखल नहीं दे सकती। कोर्ट ने CCTV समेत सभी दस्तावेजों को सुरक्षित रखने का आदेश भी दिया। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस विपुल पंचोली की पीठ ने कहा है कि वह इस मामले में नोटिस जारी कर तथ्यों की जांच करेगी। कोर्ट ने कोलकाता हाईकोर्ट में ईडी की याचिका की सुनवाई के दौरान हुई अव्यवस्था पर भी गंभीर चिंता जताई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि एजेंसी 14 जनवरी को हाईकोर्ट में हुई सुनवाई से संतुष्ट नहीं है।

बीएमसी समेत सभी नगर निगमों पर खत्म हुआ मतदान

■ आज होगी मतगणना

एजेंसी

मुम्बई। बीएमसी समेत महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों पर मतदान की प्रक्रिया खत्म हो गई है। राजनीतिक पार्टियों को अब परिणाम जानने के लिए आज यानि कि शुक्रवार का इंतजार है। मुंबई में बीएमसी चुनाव 2026 के लिए 3.30 बजे तक कुल 41.08% मतदान हुआ। इसमें पुरुष मतदाता 23,27,033, महिला मतदाता 19,22,500 और अन्य 180 मतदाता शामिल हैं। कुल मिलाकर अब तक 42,49,713 लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। महाराष्ट्र में नगर निगम चुनाव के दौरान वोट डालने के बाद उंगली पर लगी स्याही के आसानी से मिट जाने के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। महाराष्ट्र के राज्य निर्वाचन आयुक्त ने बताया कि इन वायरल वीडियो की जांच की जा रही है। चुनाव आयोग मामले की पूरी पड़ताल करेगा और अगर कोई गड़बड़ी पाई गई तो जरूरी कार्रवाई की जाएगी।

मकर संक्रांति : प्रयागराज में 91 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया

पीएम ने अपने आवास पर गायों को चारा खिलाया, पतंगबाजी से दो दिनों में 17 लोगों की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर के कई हिस्सों में गुरुवार को भी मकर संक्रांति मनाई जा रही है। संक्रांति को लेकर गंगा, यमुना और नर्मदा जैसी प्रमुख नदियों के तटों पर लाखों लोग सुबह से डुबकी लगा चुके हैं। प्रयागराज माघ मेले में आज मकर संक्रांति का स्नान पर्व है। संगम में शाम बजे तक 91 लाख श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। आज करीब डेढ़ करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। पतंगबाजी से 17 लोगों की मौत मकर संक्रांति पर पतंगबाजी के दौरान लगातार हादसे भी सामने आ रहे हैं। बीते दो दिनों में गुजरात में में 9 और राजस्थान में 6, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में 1-1 लोगों की मौत हो चुकी है। यूपी के वाराणसी के गंगा घाट और पश्चिम बंगाल के गंगासागर में स्नान के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी है। पंजाब के अमृतसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सचखंड श्री दरबार साहिब में पवित्र स्नान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मकर संक्रांति के अवसर पर अपने आवास पर गायों को चारा खिलाया। उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में महाकाल का तिल के तेल से अभिषेक हुआ। भस्म आरती में भी तिल चढ़ाया गया और तिल के लड्डुओं का भोग लगा। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने मकर संक्रांति पर गुरुवार तड़के गोरखनाथ मंदिर में खिचड़ी चढ़ाई। गोरक्ष पीठाधीश्वर योगी ने सुबह 3:40 बजे मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश किया। नाथ

परंपरा के अनुसार, उन्होंने गुरु गोरखनाथ की पूजा-अर्चना की। इसके बाद गले में लटकी सीटी बजाई और दंडवत होकर प्रणाम किया। जल्लीकट्टू एक ऐसा खेल है, जिसमें भीड़ के बीच सांड छोड़ दिया जाते हैं। इस खेल में हिस्सा लेने वाले लोग सांड का कूबड़ पकड़कर उसे कंट्रोल करने की कोशिश करते हैं। कई सांड का कूबड़ ज्यादा से ज्यादा देर तक पकड़े रखने वाला ही विजेता होता है। प्रयागराज के संगम नोज पर गंगा स्नान के लिए सुबह 4 बजे से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ है। लोग जय गंगा मैया उद्घोष के साथ स्नान कर रहे हैं। दोपहर 12 बजे तक 54 लाख श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। तमिलनाडु की कोयंबटूर एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स और प्रोफेसर्स ने गायों की पूजा कर पोंगल मनाया। तमिलनाडु के कांचीपुरम के पास ग्रीन पार्क एवेन्यू में पोंगल उत्सव के लिए गन्ने से बना एक विशाल रथ तैयार किया गया है। 21 फीट ऊंचा और 10 फीट चौड़ा, पांच टन वजनी इस रथ को 15 लोगों ने 15 दिनों में तैयार किया है। पूरी तरह से गन्ने से बने इस रथ को सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए रखा गया है, जिसे देखकर स्थानीय लोगों में काफी दिलचस्पी और उत्सव का उत्साह देखने को मिल रहा है।

पीएम मोदी बोले: 25 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर निकले

28वें सीएसपीओसी का उद्घाटन, 42 देशों के 61 स्पीकर्स शामिल, एआई-सोशल मीडिया पर होगी चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को संसद परिसर में 28वें कॉमनवेल्थ स्पीकर्स और प्रेसाइडिंग ऑफिसर्स कॉन्फ्रेंस (CSPOC) का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। पिछले कुछ सालों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकले हैं। पीएम मोदी ने कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत में UPI दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल पेमेंट सिस्टम है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीन प्रोड्यूसर है। दुनिया का नंबर-2 स्टील प्रोड्यूसर है। दुनिया का तीसरा बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन मार्केट है। दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। दुनिया का तीसरा बड़ा मेट्रो रेल नेटवर्क है। सम्मेलन की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला संभाल रहे हैं। इसमें

कॉमनवेल्थ के 42 देशों से 61 स्पीकर्स और प्रेसाइडिंग ऑफिसर्स शामिल हो रहे हैं। सम्मेलन 14 से 16 जनवरी यानी तीन दिनों तक चलेगा। भारत में लोकतंत्र की पहचान है कि वह आखिरी व्यक्ति तक फायदे पहुंचे। हम लोक कल्याण की भावना से हर व्यक्ति के लिए बिना किसी भेदभाव से काम कर रहे हैं। इसी लोक कल्याण की भावना के कारण बीते कुछ सालों में भारत में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। जब भारत आजाद हुआ तब उस दौर में आशंका व्यक्त की गई थी कि इतनी विविधता में भारत में लोकतंत्र टिक नहीं पाएगा लेकिन भारत ने विविधता को अपने लोकतंत्र की ताकत में बदल दिया है। कोविड-19 महामारी के दौरान जब पूरी दुनिया संकट का सामना कर रही थी, भारत भी कई चुनौतियों का सामना कर रहा था। इसके बावजूद उन कठिन परिस्थितियों में भी भारत ने 150 से अधिक देशों को दवाइयां और वैक्सीन उपलब्ध कराई। यह हमारे सिद्धांत को दशार्ता है- ह्यपहले लोग, पहले मानवता। आप जिस स्थान पर बैठे हैं, वह भारत के लोकतांत्रिक सफर का महत्वपूर्ण स्थल है। स्वतंत्रता के अंतिम सालों में इसी सेंट्रल हॉल में संविधान सभा की बैठकें हुई थीं। स्वतंत्रता के बाद 75 साल तक यह भारत की संसद रही। देश के भविष्य से जुड़े कई निर्णय इसी हॉल में लिए गए। लोकतंत्र को समर्पित इस स्थल का नाम ह्यसंविधान सदनह्ल रखा गया है। भारतीय लोकतंत्र का एक और मजबूत स्तंभ महिलाओं का प्रतिनिधित्व है। हमारे देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति महिला हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री भी महिला हैं। ग्रामीण और स्थानीय निकायों में भारत में लगभग 15 लाख महिला निर्वाचित प्रतिनिधि हैं। ये लगभग 50 प्रतिशत नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो वैश्विक स्तर पर अभूतपूर्व है। CSPOC को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि हम आज दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में लोकतांत्रिक संवाद, सहयोग और साझा मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जुटे हैं। यहां संसदीय लोकतंत्र से जुड़ी प्रक्रियाओं, पहलों और अनुभवों को साझा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सात दशकों से अधिक की संसदीय यात्रा में जनकल्याण से जुड़ी नीतियां बनाकर लोकतंत्र को मजबूत किया गया है। CSPOC में कॉमनवेल्थ देशों के स्पीकर्स और प्रेसाइडिंग ऑफिसर्स के बीच अनुभव और ज्ञान शेयर करने का मंच है।

आदिशंकराचार्य ने 'सनातन धर्म की ध्वजा को बुलंद किया'

■ शाह ने लॉन्च की आदिशंकराचार्य की गुजराती ग्रंथावली

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि आदिशंकराचार्य ने भारतीय पहचान स्थापित की और सनातन ध्वज चारों दिशाओं में बुलंद किया। शाह ने यह बात आदिशंकराचार्य की 'ग्रंथावली' (गुजराती में प्रकाशित) लॉन्च करने के बाद की सभा में कही। उन्होंने कहा कि यह 15 खंडों में प्रकाशित ग्रंथावली गुजरात के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और उनके जीवन और कार्य पर गहरा प्रभाव डालेगी। अमित शाह ने कहा इन ग्रंथों में आप उस समय के समाज में उठ रहे सभी प्रश्नों के समाधान पाएंगे। उन्होंने आदिशंकराचार्य की यात्रा और योगदान को याद करते हुए कहा कि बहुत कम लोग इतने कम जीवन में इतना बड़ा योगदान दे पाते हैं। आदिशंकराचार्य पैदल पूरे देश में घूमे और उन्हें चलती-फिरती विश्वविद्यालय कहा जा सकता है। शाह ने बताया कि उन्होंने केवल यात्रा ही नहीं की, बल्कि चारों दिशाओं में मठ स्थापित किए, ज्ञान केंद्र बनाए और सनातन धर्म का

झंडा ऊंचा रखा। उन्होंने कहा कि आदिशंकराचार्य के मठ सिर्फ धार्मिक केंद्र नहीं बने, बल्कि उन्होंने वेदों का वितरण और संरक्षण सुनिश्चित किया, ताकि ज्ञान की परंपरा स्थायी रूप से संरक्षित और प्रसारित हो। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि अपने जीवनकाल में आदिशंकराचार्य ने बौद्ध, जैन, कपालिक और तांत्रिक परंपराओं के उदय के बीच सनातन धर्म से जुड़े प्रश्नों और शंकाओं का तार्किक उत्तर दिया। शाह ने आगे कहा आदिशंकराचार्य ने केवल विचार नहीं दिए, बल्कि भारत को विचारों का संलयन, ज्ञान का स्वरूप और मोक्ष का मार्ग भी दिखाया। इस ग्रंथावली का प्रकाशन सास्तु साहित्य मुद्रालय ट्रस्ट द्वारा किया गया है और संपादन गौतम पटेल ने किया है।

मायावती बोलीं- ब्राह्मणों को चोखा-बाटी नहीं, सम्मान चाहिए: बर्थडे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में शॉर्ट सर्किट, धुआं भरा

एजेंसी

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अफरा-तफरी के हालत बन गए। दरअसल, लखनऊ के पार्टी दफ्तर में मीडिया से बात करते वक्त हॉल की छत पर लगी लाइट में शॉर्ट सर्किट हो गया। चिनगारी निकलने लगी। देखते ही देखते हॉल में धुआं भर गया। कॉन्फ्रेंस हॉल में मौजूद पार्टी कार्यकताओं में हड़कंप मच गया। तुरंत ही सुरक्षाकर्मी हरकत में आए और अग्निशमन यंत्रों का इस्तेमाल कर हालात पर काबू पाया। तुरंत बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस खत्म कर दी गई। मायावती बिना केक काटे और मीडिया के सवाल लिए बिना ही

रवाना हो गईं। इससे पहले बसपा सुप्रीमो ने भाजपा के ब्राह्मण विधायकों की बैठक पर बड़ा बयान दिया। कहा- ब्राह्मण समाज को किसी का बाटी चोखा नहीं चाहिए। उन्हें सिर्फ सम्मान चाहिए। हमारी सरकार बनने पर ब्राह्मणों की चाहत पूरी की जाएगी। ब्राह्मण समाज को भी कांग्रेस, बीजेपी या सपा के बहकावे में नहीं आना चाहिए। उन्होंने बसपा की चुनावी रणनीति को लेकर भी बड़ा बयान दिया। कहा- बसपा पूरे देश में हर चुनाव अकेले ही लड़ेगी। यूपी में होने वाले चुनाव में बसपा अकेले ही उतरेगी। इसे लेकर किसी को कोई गलतफहमी नहीं होनी चाहिए। दरअसल, विधानसभा सत्र के दौरान भाजपा के ब्राह्मण विधायकों ने बैठक की थी। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा था- ये पार्टी के अनुशासन के खिलाफ हैं। एक-एक से बात करके समझा दिया है। अब एक्शन लूंगा। अखिलेश यादव ने भी भाजपा की चुटकी ली थी। उन्होंने नए साल पर दी गई बाटी चोखा-पार्टी में कहा था कि भाजपा विधायक बैठे-बैठे लिट्टी चोखा खा रहे थे।

जम्मू-कश्मीर को दो अलग राज्य बनाने की मांग

एजेंसी

श्रीनगर। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने जम्मू और कश्मीर को दो अलग राज्यों में बांटने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अब दोनों क्षेत्रों के बीच सौहार्दपूर्ण अलगाव पर गंभीरता से विचार करने का समय आ गया है। लोन ने कहा कि कश्मीर ऐसे क्षेत्रीय रवैये को बर्दाशत नहीं कर सकता, जो लगातार कश्मीरियों को बदनाम करता रहा। देश के बाकी हिस्सों में यह धारणा फैलाए कि जम्मू देश के साथ है और कश्मीर आतंकवाद का क्षेत्र है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मंत्री सज्जाद लोन ने यह बातें बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान

कहीं। कुछ दिन पहले भाजपा के जम्मू नॉर्थ से विधायक श्याम लाल शर्मा ने जम्मू को अलग राज्य बनाने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि जम्मू अब कश्मीर का बोझ नहीं उठा सकता। लोन ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से कश्मीर के बडगाम में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी स्थापित करने का चुनावी वादा पूरा करने की मांग की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पद की गरिमा यही है कि किए गए वादे को निभाया जाए।

अमेरिका की धमकी के बाद ईरान पीछे हटा

ईरानी विदेश मंत्री बोले: कोई फांसी नहीं, ट्रम्प का दावा: प्रदर्शनकारियों की हत्याएं रुकीं

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकियों के बाद ईरान प्रदर्शनकारियों को फांसी देने के फैसले से पीछे हट गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने बुधवार को कहा कि ईरान की ओर से लोगों को फांसी देने की कोई योजना नहीं है। विदेश मंत्री ने फॉक्स न्यूज के 'स्पेशल रिपोर्ट विद ब्रेट बेयर' कार्यक्रम में दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'फांसी देने की कोई योजना नहीं है। फांसी का तो सवाल ही नहीं उठता।' वहीं, बुधवार को ट्रम्प ने भी बताया कि ईरान में प्रदर्शनकारियों की हत्याएं रुक गई हैं। इससे पहले ईरान सरकार ने प्रदर्शनकारियों पर तेज ट्रायल और जल्दी से फांसी देने का ऐलान किया था। ईरान बुधवार को 26 साल के प्रदर्शनकारी इरफान सुलतानी को फांसी देने वाला था। इस फैसले के बाद ट्रम्प ने ईरान को कड़ा जवाब देने की धमकी दी थी। ट्रम्प ने कहा , 'अगर वे फांसी देते हैं, तो आप कुछ भयानक देखेंगे।' ईरान ने सरकारी टीवी चैनल पर राष्ट्रपति ट्रम्प को जान से मारने की धमकी जारी की थी। AFP की रिपोर्ट के मुताबिक धमकी पर्शियन में थी। इस धमकी में पेंसिल्वेनिया के बटलर में 2024 में टम्प पर हुए जानलेवा हमले की फुटेज दिखाई

गई। जिसके साथ एक संदेश था 'इस बार गोली निशाने से नहीं चूकेगी'। यह ट्रम्प के खिलाफ तेहरान की अब तक की सबसे सीधी धमकी है, इससे पहले ट्रम्प ने ही बार-बार ईरान सरकार को धमकी दी है कि अगर वह विरोधी प्रदर्शनकारियों पर अपनी क्रूर कार्रवाई जारी रखती है तो अमेरिका उस पर हमला करेगा। ट्रम्प ने बुधवार को कहा कि ईरानी विपक्षी नेता रजा पहलवी उन्हें काफी अच्छे लगते हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात पर अनिश्चितता जताई कि उन्हें ईरान के भीतर समर्थन मिल पाएगा और वे नेतृत्व संभाल पाएंगे। रॉयटर्स के अनुसार, ट्रम्प ने कहा, "मुझे नहीं पता कि वे अपने देश में कैसे व्यवहार करेंगे।" उन्होंने आगे कहा कि स्थिति अभी उस स्तर तक नहीं पहुंची है। ट्रम्प ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि ईरानी पहलवी के नेतृत्व को स्वीकार करेंगे या नहीं, लेकिन उन्होंने कहा, "अगर वे स्वीकार करते हैं, तो मुझे कोई आपत्ति नहीं होगी।" अमेरिका के साथ व्यापक विरोध प्रदर्शनों और तनाव के बीच ईरान ने बुधवार को 2 घंटे के लिए अधिकांश उड़ानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। फ्लाइटराडार24 के अनुसार, तेहरान ने बुधवार शाम 5 बजे के तुरंत बाद नोटिस टु एयर मिशन्स (नोटम) चेतावनी जारी की और ईरान से आने-जाने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को छोड़कर सभी उड़ानों पर रोक लगा दी। यह प्रतिबंध ऐसे समय में लगाया गया जब अमेरिका ने कतर स्थित अपने ठिकानों से कुछ कर्मियों को वापस बुलाना शुरू कर दिया। ईरान ने चेतावनी दी थी कि अगर वॉशिंगटन हमला करता है तो वह अमेरिकी ठिकानों पर हमला करेगा। इंडिगो, लुफ्थांसा और एयरोफ्लोट सहित कई एयरलाइंस प्रभावित हुईं और क्षेत्र में बढ़ते मिसाइल और ड्रोन हमलों के खतरे के बीच कई एयरलाइंस ने ईरानी हवाई क्षेत्र से बचने का फैसला किया।

ऑपरेशन-सिंदूर में शहीद जवान की मां मेडल लेते बेहोश हुईं

बीकानेर से जयपुर आए जगुआर फाइटर जेट, सड़कों पर उतरे टैंक, ब्रह्मोस मिसाइल

एजेंसी

जयपुर। सड़कों पर ब्रह्मोस मिसाइल, भीष्म, अर्जुन टैंक, पिनाका लॉन्चर, रोबोटिक डॉग्स का प्रदर्शन किया गया। आसमान में अटैक हेलिकॉप्टर अपाचे ने दुश्मनों के होश उड़ाने वाले करतब दिखाए। नाल (बीकानेर) एयरबेस से उड़ान भरकर आए जगुआर फाइटर जेट की खूबियों से भी आमलोग रू-ब-रू हुए। आर्मी एरिया से बाहर पहली बार आर्मी-डे परेड गुरुवार को जयपुर में हुई। जगतपुरा के महल रोड पर हजारों लोग इस कार्यक्रम के साक्षी बने। उधर, ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए 1 पैरा स्पेशल फोर्स के जवान लान्स नायक प्रदीप कुमार की मां सेना मेडल लेते हुए मंच पर बेहोश हो गईं। इन्हें सैन्य अधिकारियों ने संभाला। उन्हें तुरंत मंच से उतारकर एंबुलेंस से हॉस्पिटल ले जाया गया। परेड की शुरूआत ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए जवानों को सेना मेडल (वीरता) से सम्मानित करने के साथ हुई थी। इसके बाद गैलेंट्री अवॉर्ड से सम्मानित आर्मी ऑफिसर्स ने परेड कमांडर को सलामी दी। अशोक चक्र, परमवीर चक्र और महावीर चक्र से सम्मानित आर्मी ऑफिसर्स परेड को लीड कर रहे थे। आर्मी चीफ

जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने बताया- पिछले कुछ सालों में भारतीय सेना की सोच में साफ बदलाव आया है। सेना अब सिर्फ मौजूदा चुनौतियों तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य के युद्धों की तैयारी पर भी गंभीरता से काम कर रही है। इसी दिशा में नए स्ट्रक्चर तैयार किए जा रहे हैं। उन्हें भविष्य की जरूरतों के

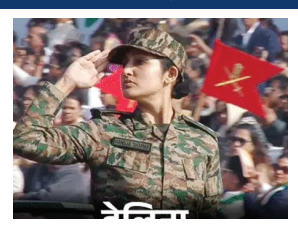

अनुसार ट्रेन किया जा रहा है। इस परिवर्तन प्रक्रिया के तहत भैरव बटालियन, अग्नि प्लाटून्स, शक्ति बाण रेजिमेंट और दिव्यास्त्र बैटरी जैसी नई इकाइयां खड़ी की गई हैं। इनकी झलक आर्मी डे परेड में देखने को मिली। उन्होंने बताया- ये संरचनाएं भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप एक रिस्पॉन्सिव और मिशन ओरिएंटेड सेना के निर्माण को दिखाती हैं। जनरल द्विवेदी ने बताया- आज की परेड में दिव्यास्त्र और शक्ति बाण जैसी यूनिट्स की ताकत भी देखने को मिली। आधुनिक ड्रोन 400 मीटर से लेकर 400 किलोमीटर, यहां तक कि 800 किलोमीटर तक जाने की क्षमता रखते हैं। ऐसे ड्रोन पूरे युद्ध क्षेत्र में घूमकर जरूरत के मुताबिक स्ट्राइक करने, इन्फॉर्मेशन देने और कार्रवाई करने में सक्षम होते हैं। इसके लिए सेना को नए ऑगेर्नाइजेशन और सुपर स्पेशियलिटी ट्रेनिंग वाले जवानों की जरूरत है, जो टारगेट की पहचान, ऑपरेशन और अपने व दुश्मन के सैनिकों में फर्क कर सकें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सावरमती से आसमान तक पतंगों की बोली में भारत- जर्मनी की दोस्ती की नई ऊँचाई

उत्तरायण गुजरात की आत्मा से जुड़ा पर्व है। यह केवल पतंगबाजी नहीं, बल्कि सामूहिक उत्सव, लोककला, संगीत और परंपरा का संगम है। जब इसी मंच पर जर्मनी के राष्ट्राध्यक्ष अतिथि के रूप में उपस्थित हुए, तो यह संदेश स्पष्ट था कि भारत अपने मित्र देशों को केवल औपचारिक बैठकों में नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक धड़कन में भी आमंत्रित करता है। पोल और हवेली की प्रतिकृतियाँ, कारीगरों द्वारा पतंग निर्माण का जीवंत प्रदर्शन, गरबा रास, कुचिपुड़ी, भरतनाट्यम और मलखंब जैसी कलाओं की प्रस्तुतियाँ तथा भारतीय और जर्मन धुनों का समन्वय यह सब भारत की सॉफ्ट पावर का प्रभावशाली प्रदर्शन था।

(लेखक-कांतिलाल मांडोत)

साबरमती रिवरफ्रंट से जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने एक साथ पतंग उड़ाई, तो वह दृश्य केवल उत्तरायण के उल्लास का प्रतीक नहीं था, बल्कि भारत-जर्मनी संबंधों की उस उड़ान का संकेत भी था, जो संस्कृति से लेकर रणनीति और व्यापार से लेकर तकनीक तक नए आयाम छू रही है। अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव आईकेएफ-2026 का शुभारंभ एक ऐसे मंच पर हुआ, जहाँ रंगीन पतंगों के साथ-साथ कूटनीति, आर्थिक सहयोग और रक्षा साझेदारी के संदेश भी हवा में घुले हुए थे। अहमदाबाद की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, पोल-हवेलियों की स्थापत्य झलक, पतंग संग्रहालय, संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियाँ इन सबने मिलकर यह बता दिया कि भारत अपनी सांस्कृतिक शक्ति के साथ वैश्विक मित्रताओं को कैसे सशक्त करता है।

उत्तरायण गुजरात की आत्मा से जुड़ा पर्व है। यह केवल पतंगबाजी नहीं, बल्कि सामूहिक उत्सव, लोककला, संगीत और परंपरा का संगम है। जब इसी मंच पर जर्मनी के राष्ट्राध्यक्ष अतिथि के रूप में उपस्थित हुए, तो यह संदेश स्पष्ट था कि भारत अपने मित्र देशों को केवल औपचारिक बैठकों में नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक धड़कन में भी आमंत्रित करता है। पोल और हवेली की प्रतिकृतियाँ, कारीगरों द्वारा पतंग निर्माण का जीवंत प्रदर्शन, गरबा रास, कुचिपुड़ी, भरतनाट्यम और मलखंब जैसी कलाओं की प्रस्तुतियाँ तथा भारतीय और जर्मन धुनों का समन्वय यह सब भारत की सॉफ्ट पावर का प्रभावशाली प्रदर्शन था। ऐसी सांस्कृतिक कूटनीति रिश्तों को केवल समझौतों तक सीमित नहीं रहने देती, बल्कि उनमें भावनात्मक मजबूती भी जोड़ती है।

इसी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के बीच भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी का एक महत्वपूर्ण अध्याय भी सामने आया। रक्षा क्षेत्र में सहयोग को नई ऊँचाई देने वाली प्रोजेक्ट-75 की पनडुब्बी परियोजना इस साझेदारी का प्रतीक बनकर उभरी है। जर्मनी की प्रसिद्ध रक्षा कंपनी थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स और भारत के मझगांव डॉकयार्ड लिमिटेड के बीच पहले से हुए समझौते के तहत छह अत्याधुनिक स्टील्थ पारंपरिक पनडुब्बियों का निर्माण भारत में ही किया जाना प्रस्तावित है। लगभग 8 बिलियन डॉलर, यानी करीब 72 हजार करोड़ रुपये की यह डील भारतीय नौसेना के इतिहास की सबसे बड़ी परियोजनाओं में गिनी जा रही है। इन पनडुब्बियों की खासियत एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन तकनीक है, जो उन्हें लंबे समय तक बिना सतह पर आए समुद्र के भीतर ऑपरेशन करने में सक्षम बनाएगी। कम शोर, अधिक स्टील्थ और लंबी अवधि तक छिपे रहने की क्षमता यही वह गुण हैं, जिनकी भारतीय नौसेना को लंबे समय से तलाश थी।

इस डील का महत्व केवल सैन्य शक्ति तक सीमित नहीं है। इसका सीधा लाभ 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियानों को मिलता है। निर्माण भारत में होने से देश के रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती मिलेगी, कुशल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और तकनीकी ज्ञान का हस्तांतरण होगा। जर्मनी के लिए यह डील भारत जैसे बड़े और भरोसेमंद साझेदार के साथ दीर्घकालिक सहयोग का अवसर है, जबकि भारत के लिए यह समुद्री सुरक्षा और हिंद महासागर क्षेत्र में रणनीतिक संतुलन को मजबूत करने का साधन बनती है। बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा और समुद्री चुनौतियों के दौर में यह साझेदारी भारत की प्रतिरोधक क्षमता को नई धार देती है।

भारत और जर्मनी के रिश्ते केवल रक्षा तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक सहयोग भी निरंतर विस्तार पा रहा है। आज भारत में दो हजार से अधिक जर्मन कंपनियाँ सक्रिय हैं, जो ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग, रसायन, ऊर्जा, आईटी, नवीकरणीय ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में काम कर रही हैं। यह संख्या जर्मनी के भारत पर भरोसे और भारत के बढ़ते बाजार सामर्थ्य का प्रमाण है। द्विपक्षीय व्यापार की बात करें तो भारत और जर्मनी के बीच वार्षिक व्यापार लगभग 26 से 30 बिलियन डॉलर के बीच आंका जाता है, और आने वाले वर्षों में इसके और बढ़ने की संभावनाएँ जताई जा रही हैं।

जर्मनी से भारत मुख्य रूप से मशीनरी, औद्योगिक उपकरण, ऑटोमोबाइल और उनके पुर्जे, रसायन, इलेक्ट्रिकल उपकरण, मेडिकल टेक्नोलॉजी और उन्नत इंजीनियरिंग उत्पाद आयात करता है। ये वे क्षेत्र हैं, जहाँ जर्मनी की तकनीकी दक्षता विश्वभर में प्रसिद्ध है। दूसरी ओर भारत जर्मनी को वस्त्र, परिधान, चमड़ा उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स, केमिकल्स, आईटी सेवाएँ, ऑटोमोबाइल कंपोनेंट्स, कृषि-आधारित उत्पाद और इंजीनियरिंग गुड्स का निर्यात करता है। सेवा क्षेत्र में आईटी और डिजिटल समाधान भारत की मजबूत उपस्थिति को दर्शाते हैं, जबकि फार्मा और रसायन क्षेत्र भारत की विनिर्माण क्षमता का उदाहरण हैं।

इस व्यापारिक रिश्ते का लाभ दोनों पक्षों को मिलता है। जर्मनी को भारत जैसे तेजी से बढ़ते बाजार तक पहुँच मिलती है, जहाँ युवा आबादी, बुनियादी ढांचे का विस्तार और औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएँ हैं। भारत को जर्मनी से उन्नत तकनीक, गुणवत्ता मानक और नवाचार का लाभ मिलता है, जो घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को बढ़ाता है। यही कारण है कि दोनों देश केवल पारंपरिक व्यापार तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि स्टार्टअप्स, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, ग्रीन टेक्नोलॉजी और सस्टेनेबिलिटी जैसे क्षेत्रों में भी साझेदारी को आगे बढ़ा रहे हैं।

कच्छ-सौराष्ट्र जैसे क्षेत्रों में निवेश और व्यापारिक सम्मेलनों के जरिए इस सहयोग को जमीनी स्तर तक ले जाने की कोशिश दिखाई देती है। बी-टू-बी और बी-टू-जी बैठकों में जिस तरह का उत्साह देखने को मिल रहा है, वह बताता है कि स्थानीय उद्यमी, कारीगर, स्टार्टअप्स और तकनीकी विद्यार्थी वैश्विक अवसरों से जुड़ने के लिए तैयार हैं। ऐसे आयोजनों में उद्योग, कृषि, मत्स्य पालन, पर्यटन, पर्यावरण, सस्टेनेबिलिटी और भविष्य की तकनीकों पर संवाद न केवल निवेश को आकर्षित करता है, बल्कि ज्ञान और नवाचार के आदान-प्रदान को भी गति देता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की मुलाकात के बाद यह स्पष्ट संदेश सामने आया कि भारत-जर्मनी साझेदारी बहुआयामी है। यह साझेदारी लोकतांत्रिक मूल्यों, नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और शांतिपूर्ण सहयोग पर आधारित है। रक्षा क्षेत्र में विश्वास, व्यापार में परस्पर लाभ, तकनीक में साझेदारी और संस्कृति में आत्मीयता इन चार स्तंभों पर यह रिश्ता आगे बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव जैसे मंच पर इसका प्रदर्शन इस बात का संकेत है कि भारत अपनी कूटनीति को केवल बंद कमरों तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उसे जन-उत्सवों और सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से जन-जन तक पहुँचाता है।

साबरमती के आसमान में उड़ी पतंगें इस बात की गवाह बनीं कि भारत और जर्मनी के संबंध केवल कागजी समझौतों तक सीमित नहीं हैं। यह एक ऐसी मित्रता है, जो संगीत की लय, नृत्य की मुद्राओं, कारीगरों की कला और रणनीतिक समझौतों आदि सबमें समान रूप से दिखाई देती है। आने वाले वर्षों में जब यह साझेदारी और गहरी होगी, तब शायद इन पतंगों की डोरें नए व्यापारिक मार्गों, नई तकनीकी खोजों और मजबूत रणनीतिक संतुलन से जुड़ी नजर आएँगी। साबरमती से उठा यह दोस्ती का संदेश दूर-दूर तक गया है, और संकेत दे रहा है कि भारत-जर्मनी संबंधों का आकाश अभी और भी विस्तृत होने वाला है।

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

गिग-वर्कर की सुध

गिग वर्कर्स की हड़ताल और उनके मुश्किल हालात को लेकर समाज में बढ़ती फिक्र के बाद हुए सरकारी हस्तक्षेप से गिग वर्कर्स की बड़ी मुश्किल हल हुई है। कोहरे-ठंड और बेतरतीब ट्रैफिक के बीच गिग-वर्कर्स पर दस मिनट में सामान उपभोक्ता तक पहुंचाने का दबाव एक बड़े तनाव की वजह बना हुआ था। गिग-वर्कर्स को हीमैन मानकर द्रुत गति से वाहन दौड़ाकर अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ती थी। कुछ डिलीवरी ब्वॉयज के दुर्घटनाग्रस्त होकर जान गंवाने व घायल होने के भी समाचार थे। अब यह सुखद ही है कि केंद्रीय श्रममंत्री मनसुख मांडविया के हस्तक्षेप के बाद क्विक कॉमर्स कंपनियां कष्टदायक दस मिनट में डिलीवरी की व्यवस्था खत्म करने को तैयार हो गई हैं। इटर्नल के स्वामित्व वाली इकाई ब्लिंकिट, जिसने दस मिनट में डिलीवरी को अपने कारोबार की आक्रामक विज्ञापन रणनीति का हथियार बना लिया था, ने अब अपने मंचों से दस मिनट में डिलीवरी का दावा हटा लिया है। निश्चित रूप से यह अमानवीय ही था कि बेकारी का त्रास झेलते युवाओं पर आनन-फानन दस मिनट में सामान उपभोक्ता तक पहुंचाने का दबाव बनाया जाए। लंबी ड्यूटी, कम पैसा और जल्दी सामान पहुंचाने के दबाव में बड़ी संख्या में गिग-वर्कर्स काम छोड़ जाते थे। आजकल ठंड के मौसम में उपभोक्ता घर से बाहर निकलने से परहेज कर रहे हैं। अत- उत्तर भारत में भीषण सर्दी और कोहरे के बीच दस मिनट में तेजी से सामान पहुंचाना दुष्कर कार्य था। भारत में आम ट्रैफिक की जटिल स्थिति किसी से छिपी नहीं है। सड़क हादसों के कारण उनका जीवन जोखिम में बना रहता था। इतना ही नहीं, कई बार डिलीवरी ब्वॉयज को बहुमंजिला इमारतों और कालोनियों के सुरक्षा गार्डों से जूझना पड़ता था, जिससे उन्हें सामान पहुंचाने में देरी हो जाती थी। फिर उपभोक्ता के मोबाइल पर मिले ओटीपी के बाद उनका सामान डिलीवर माना जाता था। समय पर सामान की डिलीवरी न होने पर उनके कार्य प्रदर्शन का मूल्यांकन कमतर आंका जाता है। दरअसल, गिग वर्कर्स को अच्छी रैंक तभी मिलती है जब वे दस मिनट में सामान पहुंचा देते हैं, जिसके चलते वे मानसिक तनाव में रहते थे। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों दस मिनट में डिलीवरी का दबाव झेलते तथा मेहनताने में कमी आदि मांगों को लेकर गिग-वर्कर्स ने देशव्यापी हड़ताल की थी। हालांकि, कंपनी मालिकों ने साल के आखिरी दिनों में उत्सव के माहौल में डिलीवरी बाधित होते देख हड़ताल को कामयाब नहीं होने दिया, लेकिन इस हड़ताल से पूरे देश का ध्यान गिग-वर्कर्स की जायज मांगों की तरफ गया। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा समेत कई राजनेताओं ने भी गिग-वर्कर्स के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया। पिछले दिनों ध्यान आकर्षण के लिए बाकायदा राघव चड्ढा डिलीवरी ब्वॉय की ड्रेस पहनकर सामान डिलीवर करने भी गए। निस्संदेह, डिलीवरी ब्वॉयज का काम बेहद चुनौतीपूर्ण है, काम के घंटे बहुत ज्यादा हैं और उसके अनुपात में मेहनताना बेहद कम है। इन्हीं चिंताओं के बाद केंद्र सरकार द्वारा लाया गया नया लेबर कोड चर्चा में आया, जिसमें उल्लेख है कि गिग वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें पर्याप्त सुविधाएं नियोक्ता कंपनी द्वारा दी जाएं। यह विडंबना ही है कि गिग वर्कर्स की मेहनत से क्विक कॉमर्स कंपनियों का कारोबार तो तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन गिग वर्कर्स की माली हालत नहीं सुधरी है। यही वजह है कि बड़ी संख्या में गिग वर्कर्स थोड़े समय काम करके नौकरी छोड़ देते हैं। निर्विवाद रूप से आज जरूरी है कि गिग वर्कर्स ही नहीं, तमाम असंगठित क्षेत्र के कामगारों को अविलंब सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाया जाए।

घर घर में साइलेंट किलर जरा सी चूक जीवन पर भारी

(लेखक - मनोज कुमार अग्रवाल)

इन दिनों देश के अनेक भागों में कड़ाके की ठंड पड़ने से तापमान शून्य से भी नीचे चला गया है। ऐसे में ताप के लिए चंद लोग कमरों में अंगीठी जला कर सोने के कारण जहरीला धुआं चढ़ने से मृत्यु के शिकार हो रहे हैं।वहीं सैकड़ों लोग बिना वेंटिलेटर वाले बाथरूम में गैस गीजर का इस्तेमाल करने से आक्सीजन कम होने पर जान गंवा देते हैं। भारत के अलग-अलग हिस्सों से हर कुछ महीनों में एक जैसी खबरें सामने आती हैं। बाथरूम में नहाते समय गैस गीजर से निकली जहरीली गैस, दम घुटना और फिर अचानक बाथरूम में नहाने वाले की मौत हो जाना। ये खबरें चौंकाती जरूर हैं, लेकिन कुछ दिनों बाद भुला दी जाती हैं। यही भूल सबसे खतरनाक है। क्योंकि गैस गीजर कोई अचानक खराब होने वाली मशीन नहीं, बल्कि एक ऐसा खामोश खतरा है, जो ज़रा-सी लापरवाही पर जान ले सकता है। आपको पता हो कि कमरे में लकड़ी या कोयले की अंगीठी जला कर रखने से ऑक्सीजन की कमी हो जाती है और कार्बन मोनोआक्साइड सीधे दिमाग पर असर डालती है, जो सांस के जरिए पूरे शरीर में फैल जाती है। इससे शरीर में हीमोग्लोबिन कम हो जाने से व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। इसी कारण पिछले लगभग 2 सप्ताह में हुई ऐसी दर्दनाक मौतों की झड़ी लगी हैं। इसी तरह बाथरूम में गैस गीजर चलाने पर भी आक्सीजन कम हो जाता है और अनेक लोग हर साल जान गंवा देते हैं। कुछ दुखद घटनाओं की बानगी देखिए हाल ही में उत्तर प्रदेश के बदायूं में ऐसा ही दिल दहला देने वाला मामला सामने आया। असल में, सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला शाहबाजुर जफा में रहने वाले सलीम अहमद के दो बेटे 11 साल का सयान और 4 साल का रयान, रोज़ की तरह सुबह करीब 10 बजे बाथरूम में नहाने गए थे। बाथरूम अंदर से बंद था और गैस गीजर चालू था। आपको बता दें कि 22 दिसंबर को यूपी केपीलीभीत में शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला गुरुकुल पुरम में बाथरूम में गैस गीजर का प्रयोग करने के कारण ऑक्सीजन की मात्रा कम होने से डीआरडीए के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी और उनकी पत्नी की मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ। नहाते समय पत्नी का दम घुटने पर पति उन्हें बचाने के लिए पहुंचा, लेकिन वह भी चपेट में आ गया और दोनों की मौत हो गई। दो जनवरी को पंजाब के शिवसेना नेता दीपक कंबुज की 22 वर्षीय पुत्री मुनमुन की बाथरूम में दम घुटने से मौत हो गई।

27 दिसम्बर, 2025 को छपरा (बिहार) में ठंड से बचने के लिए एक कमरे में अंगीठी जलाकर सो रहे 3 बच्चों और उनकी नानी की दम घुटने से मृत्यु हो गई तथा परिवार के 3 अन्य सदस्य गंभीर रूप से बीमार हो गए। इस घटना में मारे गए तीनों बच्चे रिश्ते में भाई-बहन थे जो सर्दी की छुट्टियों में ननिहाल आए हुए थे 31 दिसम्बर, 2025 को गयाजी (बिहार) के कुर्किहार गांव में कमरे के भीतर ठंड से बचने के लिए दरवाजा और खिड़की बंद करके अंगीठी जला कर सो रहे सुजीत कुमार और अंशु कुमारी नामक भाई-बहन तथा उनकी नानी मीना देवी की दम घुटने से मौत हो गई। 8 जनवरी, 2026 को तरनतारन (पंजाब) में गुरमीत सिंह तथा उनकी पत्नी जसबीर कौर की ठंड से बचने के लिए जला कर कमरे में रखी लकड़ियों की गैस से दम घुटने के कारण मौत हो गई।

8 जनवरी, 2026 को ही पटौदी (हरियाणा) में ठंड से बचने के लिए कमरे में अंगीठी सुलगा कर सोना एक श्रमिक के परिवार पर आफत बन कर टूटा तथा दम घुटने से एक 11 वर्षीय बच्ची की मृत्यु एवं परिवार के 3 अन्य सदस्य गंभीर रूप से बीमार हो गए।

9 जनवरी, 2026 को हजारीबाग (झारखंड) के बानादाग गांव में कड़ाके की ठंड से बचने के लिए कमरे में अंगीठी जलाकर सो रहे दम्पति की दम घुटने से जान चली गई। 9 जनवरी, 2026 को ही कोडरमा (झारखंड) के पूरना नगर में ठंड से बचने के लिए बंद कमरे में कोयला जला कर सो रहे पति-पत्नी वीरेंद्र शर्मा और कांति देवी की दम घुटने से मौत हो गई।

9 जनवरी, 2026 को ही उत्तर काशी (उत्तराखंड) के चाम्पकोट में कमरे में जल रही अंगीठी की गैस के कारण एक युवक की मृत्यु हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से बीमार हो गया।

10 जनवरी, 2026 को आरा (बिहार) के छोटकी सिंगरी गांव में एक कमरे में अपने माता-पिता और बहन के साथ ठंड से बचने के लिए अंगीठी जलाकर सो रहे 12 वर्षीय बच्चे बजरंगी सिंह की मौत हो गई जबकि उसके माता-पिता और बहन गंभीर रूप से बीमार हो गए।

और अब 11 जनवरी, 2026 को तरनतारन (पंजाब) में ठंड से बचने के लिए अंगीठी जलाकर सो रहे अर्शदीप सिंह (20), उसकी पत्नी जशनदीप कौर (19) तथा 2 महीने के मासूम बेटे गुरबाज सिंह की दम घुटने से मौत हो गई और अर्शदीप सिंह का साला किशन सिंह बेहोश हो गया।

उक्त सब घटनाओं का सबक यही है कि बंद कमरे में अंगीठी नहीं जलानी चाहिए और यदि जलानी ही पड़े तो सोने से पहले उसे बुझा देना चाहिए ताकि धुआं पैदा न हो। इसके अलावा सोते समय खिड़की और रोशनदान भी कुछ खुले रखने चाहिएं। इसी तरह गैस गीजर एलपीजी से पानी गर्म करता है। इस प्रक्रिया में आंशिक दहन होता है, जिससे कार्बन मोनोऑक्साइड गैस निकलती है। यह गैस न दिखती है, न सूंघी जा सकती है। यानी इंसान को पता ही नहीं चलता कि वह ज़हर सांस के साथ अंदर ले रहा है। बंद बाथरूम में यह गैस कुछ ही मिनटों में जानलेवा स्तर तक पहुंच जाती है। पहले चक्कर, फिर घबराहट, बेहोशी और कई मामलों में मौत से जुड़े मामले भी सामने आए हैं। ऐसे अनेक खतरनाक हादसे के बारे में हम पढ़ चुके हैं और यह पहला और आखिरी मामला नहीं है। हर साल देश भर में अलग अलग हादसों में एक हजार से अधिक लोगों की जान ऐसी ही छोटी लेकिन गंभीर लापरवाही के कारण जा रही है। आखिर अपने बाथरूम में लोग खुद से मौत लेकर क्यों आते हैं?क्यों बंद कमरे में हीटर या अंगीठी लगा कर सो जाते हैं? स्थानीय प्रशासन और स्वयं सेवी संस्थाओं को भी चाहिए कि इस बारे लोगों को जागरूक करे, ताकि इस तरह की दर्दनाक और असामयिक मौतों के परिणामस्वरूप परिवार तबाह होने से बच सकें।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं) (यह लेखक के व्यक्तिगतविचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

जो हो रहा है उसके जिम्मेदार हम खुद हैं

चिंतन मनन

हम मनुष्यों की एक सामान्य सी आदत है कि दु?ख की घड़ी में विचलित हो उठते हैं और परिस्थितियों का कसूरवार भगवान को मान लेते हैं। भगवान को कोसते रहते हैं कि हे भगवान हमने आपका क्या बिगाड़ा जो हमें यह दिन देखना पड़ रहा है। गीता में श्री कृष्ण ने कहा है कि जीव बार-बार अपने कर्मों के अनुसार अलग-अलग योनी और शरीर प्राप्त करता है। यह सिलसिला तब तक चलता है जब तक जीवात्मा परमात्मा से साक्षात्कार नहीं कर लेता। इसलिए जो कुछ भी संसार में होता है या व्यक्ति के साथ घटित होता है उसका जिम्मेदार जीव खुद होता है। संसार में कुछ भी अपने आप नहीं होता है। हमें जो कुछ भी प्राप्त होता है वह कर्मों का फल है। ईश्वर तो कमल के फूल के समान है जो संसार में होते हुए भी संसार में लिप्त नहीं होता है। ईश्वर न तो किसी को दुःख देता है और न सुख।

इस संदर्भ में एक कथा प्रस्तुत है? गौतमी नामक एक वृद्धा ब्राह्मणी थी। जिसका एक मात्र सहारा उसका पुत्र था। ब्राह्मणी अपने पुत्र से अत्यंत स्नेह करती थी। एक दिन एक सर्प ने ब्राह्मणी के पुत्र को डंस लिया। पुत्र की मृत्यु से ब्रह्मणी व्याकुल होकर विलाप करने लगी। पुत्र को डंसने वाले सांप के ऊपर उसे बहुत प्रोध आ रहा था। सर्प को सजा देने के लिए ब्राह्मणी ने एक सपेरे को बुलाया। सपेरे ने सांप को पकड़ कर ब्राह्मणी के सामने लाकर कहा कि इसी सांप ने तुम्हारे पुत्र को डंसा है, इसे मार दो।

ब्राह्मणी ने संपरे से कहा कि इसे मारने से मेरा पुत्र जीवित नहीं होगा। सांप को तुम्ही ले जाओ और जो उचित समझो सो करो। संपेरा सांप को जंगल में ले आया। सांप को मारने के लिए संपेरे ने जैसे ही पत्थर उठाया, सांप ने कहा मुझे क्यों मारते हो, मैंने तो वही किया जो काल ने कहा था। संपेरे ने काल को ढूंढा और बोला तुमने सर्प को ब्राह्मणी के बच्चे को डंसने के लिए क्यों कहा। काल ने कहा ब्राह्मणी के पुत्र का कर्म फल यही था। मेरा कोई कसूर नहीं है। सपेरा कर्म के पहुंचा और पूछा तुमने ऐसा बुरा कर्म क्यों किया। कर्म ने कहा मुझ से क्यों पूछते हो, यह तो मरने वाले से पूछो मैं तो जड़ हूं। इसके बाद संपेरा ब्राह्मणी के पुत्र की आत्मा के पास पहुंचा। आत्मा ने कहा सभी ठीक कहते हैं। मैंने ही वह कर्म किया था जिसकी वजह से मुझे सर्प ने डंसा, इसके लिए कोई अन्य दोषी नहीं है।

विचार मंथन

ट्रंप के दौर में अमेरिका का लोकतंत्र खतरे में?

(लेखक-सनत कुमार जैन)

- यूरोपीय देशों में निराशा, बेरोजगारी और महंगाई

अमेरिका लंबे समय से स्वयं को दुनिया के सबसे मजबूत आर्थिक एवं लोकतांत्रिक देश के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद से उनकी छवि पर गंभीर सवाल सारी दुनिया में खड़े हो गए हैं। ट्रंप ने न सिर्फ अमेरिका की वरन अंतरराष्ट्रीय संस्थागत मर्यादाओं को चुनौती देने का काम किया है। अमेरिका की चुनावी प्रक्रिया, न्यायपालिका, मीडिया और लोकतांत्रिक परंपराओं, वैश्विक व्यापार संधि और वैश्विक संस्थाओं पर सीधा हमला किया है । 2020 का राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद अब वह एक तानाशाह की तरह व्यवहार कर रहे हैं। 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल पर हुआ हमला इस बात का प्रमाण है। ट्रंप की सत्ता की लालसा उन्हें किस हद तक ले जाकर लोकतंत्र को कमजोर करने का काम कर रही है। उक्त घटना केवल अमेरिका की आंतरिक समस्या नहीं थी। वैश्विक लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए भी यह एक चेतावनी थी। ट्रंप की राजनीति ने अमेरिकी समाज को गहरे अंधेरे में धकेल दिया है। नस्ल, धर्म, प्रवासियों और राष्ट्रवाद के मुद्दों पर उग्र बयानबाजी ने ट्रंप और अमेरिका की असहिष्णुता को बढ़ावा दिया है। अमेरिका फर्स्ट की नीति ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग और व्यापार को लेकर अमेरिका को सारी दुनिया में कमजोर करने का काम किया है। बहुपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर अमेरिका की विश्वसनीयता लगभग खत्म हो गई है। जब दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश ही लोकतांत्रिक मूल्यों को मानने से इंकार करे, तो उसका असर स्वाभाविक रूप से दुनिया के अन्य देशों पर भी पड़ता है। अब इसका प्रभाव यूरोप में भी नजर आने लगा है। कई यूरोपीय देशों में दक्षिणपंथी और राष्ट्रवादी ताकतें मजबूत होना शुरू हो गई हैं। जिसके कारण लोकतंत्र और मानव अधिकार को लेकर भरोसा कमजोर हो रहा है। युवा पीढ़ी भविष्य को लेकर गहरी निराशा में है। बेरोजगारी, महंगाई और आर्थिक असमानता ने युवाओं को असुरक्षा की भावना से भर दिया है। कोविड महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध, ऊर्जा संकट ने यूरोप की अर्थव्यवस्था को झकझोर दिया है। इस कारण जीवन-यापन की मुश्किलें बढ़ती चली जा रही हैं। रोजगार के अवसर भी बड़ी तेजी के साथ कम होते जा रहे हैं। यूरोप के युवा सवाल पूछ रहे हैं, क्या लोकतांत्रिक सरकारें उनकी समस्याओं का समाधान कर पाएंगी? आज विश्व के 60 से ज्यादा देशों में अपनी ही सरकार के खिलाफ लोग उग्र प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकारें महंगाई रोकने, स्थायी रोजगार देने और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में असफल साबित हो रही हैं। ऐसी स्थिति में कट्टरपंथी विचार धाराओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। यही स्थिति अमेरिका में भी देखी जा रही है। आर्थिक असुरक्षा और असंतोष को ट्रंप राजनीतिक ताकत से दबाने की कोशिश कर रहे हैं। वर्तमान में आवश्यकता है, अमेरिका और यूरोप जैसे देश अपने लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करें। आम जनता के प्रति पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाएं। आम लोगों की तथा युवाओं की आर्थिक चिंताओं को प्राथमिकता देकर उनका निराकरण करें।

लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं है। नागरिकों को सम्मान, सुरक्षा और भविष्य की उम्मीद की व्यवस्था लोकतांत्रिक शासन प्रणाली है। यदि यह भरोसा टूटता है, तो खतरे में सिर्फ अमेरिका नहीं, बल्कि पूरी वैश्विक लोकतांत्रिक व्यवस्था खतरे में पड़ सकती है। 1995 में आर्थिक व्यापार संधि के बाद वैश्विक स्तर पर दुनिया के सारे देश एक दूसरे के बहुत करीब आए थे। पूरी सोच बदल गई थी। पिछले दो दशक में दुनिया के सभी देशों में कर्ज को लेकर आर्थिक ज़रूरतें पूरी करने की जो मुहिम चल रही थी वह अब कर्ज के बोझ से बुरी तरह से दब चुकी है। सारी दुनिया में आर्थिक मंदी का खतरा बड़ी तेजी के साथ फैलता हुआ नजर आ रहा है। ऐसी स्थिति में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से अमेरिका फर्स्ट और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की उपेक्षा करते हुए

मनमानी कर रहे हैं, सारी दुनिया के देशों को टैरिफ के भय तथा अमेरिका की ताकत के आगे झुकाने का प्रयास कर रहे हैं। इसका खामीयाजा अमेरिका को भुगतना पड़ सकता है। यही गलती एक समय पर सोवियत रूस ने की थी। वही गलती अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप करते हुए दिख रहे हैं।

कृषि को आर्थिक वृद्धि का इंजन बनाने की मांग पकड़ रही है जोर

नई दिल्ली ।

विशेषज्ञ और उद्योग जगत के जानकार आगामी बजट से पहले कृषि क्षेत्र में डिजिटल अवसंरचना, जलवायु-अनुकूल खेती और नई प्रौद्योगिकियों में निवेश की जोरदार वकालत कर रहे हैं। उनका कहना है कि इससे देश की आधी आबादी को रोजगार देने वाले क्षेत्र में उत्पादकता और आर्थिक योगदान बढ़ाया जा सकता है। भारत में करीब 45 फीसदी कार्यबल कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में है, लेकिन सकल मूल्यवर्धन में योगदान केवल 18 फीसदी के आसपास है। राष्ट्रीय गोकुल मिशन और डिजिटल पशुधन मिशन के माध्यम से 3,00,000 से अधिक किसानों को संगठित किया गया है। जीएसटी सुधारों ने संगठित दुग्ध क्षेत्र में पनीर, घी और मक्खन जैसी उच्च प्रोटीन उत्पादों की मांग बढ़ाई। उद्योग विशेषज्ञों ने गुणवत्तापूर्ण चारे, पशु चिकित्सकों की कमी को पूरा करने के लिए महाविद्यालयों की क्षमता बढ़ाना और लघु दुग्ध इकाइयों, विशेषकर महिला उद्यमियों के लिए पूंजीगत सब्सिडी की मांग की है।

आरएम ड्रिप नासिक में 12,000 टन क्षमता की नई इकाई लगाएगी

नई दिल्ली ।

आरएम ड्रिप एंड स्प्रिंकलर सिस्टम्स के निदेशक मंडल ने महाराष्ट्र के नासिक जिले के सिन्नर में 12,000 टन प्रति वर्ष की उत्पादन क्षमता वाली नई इकाई स्थापित करने को मंजूरी दी है। यह इकाई कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी, ब्रह्मानंद पाइप्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से स्थापित होगी। नई इकाई के चलते कंपनी की कुल उत्पादन क्षमता में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि होगी। प्रबंध निदेशक ने कहा कि यह विस्तार कंपनी की वृद्धि रणनीति में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इससे निरंतर राजस्व वृद्धि, बेहतर लाभ और मजबूत निष्पादन क्षमताओं की नींव रखी जाएगी। आरएम ड्रिप एंड स्प्रिंकलर सिस्टम्स सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों और घटकों का निर्माण करती है और डिजाइन, निर्माण और स्थापना सहित संपूर्ण समाधान प्रदान करती है। कंपनी का वितरण नेटवर्क महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में फैला हुआ है।

एमआरपीएल का मुनाफा बढ़कर 1,445 करोड़

मंगलुरु ।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी मंगलूर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) का 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त तीसरी तिमाही में मुनाफा 1,445 करोड़ रुपये रहा। पिछली वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह लाभ 304 करोड़ रुपये था, यानी लाभ चार गुना से अधिक बढ़ा। कंपनी की परिचालन आय इस तिमाही में 29,720 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की 25,601 करोड़ रुपये* के मुकाबले लगभग 16 फीसदी अधिक है। एमआरपीएल ने बीती तिमाही में 47 लाख टन कच्चे तेल का प्रसंस्करण किया और मंगलूरू में आईएसपीआरएल कैवर्न इकाई में कच्चे तेल का भंडारण शुरू किया। कंपनी के निदेशक मंडल ने 14 जनवरी 2026 को समेकित वित्तीय नतीजों को मंजूरी दी।

मोबाइल निर्माताओं के लिए सोर्स कोड साझा करना अनिवार्य नहीं- एमएआईटी

नई दिल्ली । सोर्स कोड कंप्यूटर भाषा में लिखा निर्देशों का समूह है, जो बताता है कि मोबाइल फोन, ऐप या सॉफ्टवेयर कैसे काम करेगा। इसके बिना मोबाइल का संचालन, ऐप्स खुलना, भुगतान या डेटा सुरक्षा संभव नहीं है। हाल ही में यह चर्चा सामने आई थी कि सुरक्षा जांच के लिए मोबाइल कंपनियों को सोर्स कोड साझा करना पड़ सकता है। इससे यह गलतफहमी पैदा हुई कि यह अनिवार्य है। सूचना प्रौद्योगिकी विनिर्माण संघ (एमएआईटी) ने स्पष्ट किया कि 18 जून 2025 के मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन में सोर्स कोड साझा करना अनिवार्य नहीं बताया गया है। संगठन में एप्पल, सैमसंग, वनप्लस, नोकिया और लेनोवो जैसी कंपनियां शामिल हैं। मोबाइल सुरक्षा को लेकर मंत्रालय उद्योग के साथ लगातार बातचीत कर रहा है, क्योंकि स्मार्टफोन अब बैंकिंग और निजी डेटा के लिए व्यापक रूप से उपयोग हो रहे हैं।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर वर्चुअल बातचीत फिर शुरू

- दोनों देश समझौते को अंतिम रूप देने के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली ।

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर वर्चुअल बातचीत एक बार फिर शुरू हो गई है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के अनुसार साल के अंत में छुट्टियों के कारण यह वार्ता कुछ समय के लिए रोक दी गई थी, लेकिन अब दोनों देशों के मुख्य वार्ताकार आभासी माध्यम से फिर संपर्क में हैं। हालांकि, आमने-सामने की बातचीत या समझौते को अंतिम रूप देने की कोई समय-सीमा अभी तय नहीं की गई है। पिछली बार व्यापार वार्ता दिसंबर में हुई थी, जब अमेरिकी व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भारत आया था। इस दल का नेतृत्व अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) के उप-प्रतिनिधि रिक स्विट्जर ने किया था। अवकाश के चलते वार्ता आगे नहीं बढ़ पाई, जिससे समझौते को लेकर अनिश्चितता बनी रही। इस बीच भारत में नए अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर सकारात्मक रुख जताया है। उन्होंने कहा कि दोनों देश सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं और व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए

प्रतिबद्ध हैं। देर शाम विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच फोन पर बातचीत हुई, जिसमें व्यापार, दुर्लभ खनिज, परमाणु ऊर्जा और रक्षा सहयोग पर चर्चा की गई। दोनों देशों ने स्वतंत्र और मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। अधिकारी के अनुसार, भारत और अमेरिका दो समानांतर रास्तों पर काम कर रहे हैं–एक व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौता और दूसरा ढांचागत व्यापार समझौता, जिसमें 50 प्रतिशत जवाबी शुल्क जैसे मुद्दों पर ध्यान दिया जाएगा।

बायोकॉन ने क्यूआईपी के जरिये जुटाए 4,150 करोड़

नई दिल्ली ।

जैव-प्रौद्योगिकी कंपनी बायोकॉन ने पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) प्रक्रिया के जरिये 4,150 करोड़ रुपये जुटाए हैं। बेंगलुरु स्थित कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस पहल के तहत पात्र संस्थागत खरीदारों को पांच रुपये अंकित मूल्य के 1,12,664,585 शेयर 368.35 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर जारी किए गए। कंपनी के अनुसार 12 जनवरी से 14 जनवरी तक जारी क्यूआईपी में घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों ने काफी रुचि दिखाई जो कंपनी की वृद्धि संभावनाओं में उनके मजबूत विश्वास को दर्शाता है। बायोकॉन ने कहा कि क्यूआईपी से प्राप्त धनराशि का उपयोग मुख्य रूप से बायोकॉन बायोलॉजिक्स लिमिटेड में अपनी शेयरधारिता खरीदने के लिए माइलन इंक (वियाट्रिस) को देय नकद राशि का भुगतान करने के लिए किया जाएगा। इससे इस संबंध में लिए गए ऋण का पुनर्भुगतान भी शामिल है।

प्रेस्टीज एस्टेट्स की बिक्री बुकिंग अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 39 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स की बिक्री बुकिंग चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 39 प्रतिशत बढ़कर 4183.6 करोड़ रुपये हो गई है। बेंगलुरु स्थित कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों के दौरान कंपनी की बिक्री बुकिंग दोगुना होकर 22,327.3 करोड़ रुपये रही। प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों (अप्रैल-दिसंबर) में हासिल किया गया रिकॉर्ड प्रदर्शन हमारी परियोजनाओं की बढ़ती मांग का ठोस प्रमाण है, अक्टूबर-दिसंबर 2025 तिमाही में कुल बिक्री क्षेत्रफल 29.9 लाख वर्ग फुट रहा जबकि अप्रैल-दिसंबर में यह 1.695 करोड़ वर्ग फुट तक पहुंच गया।अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी ने 1,811 इकाई बेची जिससे वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों में बेची गई कुल इकाई की संख्या 8,598 हो गई। प्रेस्टीज ग्रुप भारत के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है। यह कंपनी प्रमुख शहरों में आवासीय, वाणिज्यिक (कार्यालय व खुदरा) और आतिथ्य परियोजनाएं बनाती है। समूह ने सितंबर 2025 तक 20.2 करोड़ वर्ग फुट में फैली 310 परियोजनाएं पूरी कीं। वर्तमान में 19.9 करोड़ वर्ग फुट में फैली 130 परियोजनाएं प्रक्रिया के विभिन्न चरण में हैं।

नगरपालिका चुनाव के लिए शेयर बाजार बंद करना गलत, यह है पूअर प्लानिंग

कामत बोले-ट्रेडिंग रोकना भारत जैसे बढ़ते ग लोबल मार्केट के लिए अच छा मैसेज नहीं

मुंबई, ।

जीरोधा के को-फाउंडर और अरबपति नितिन कामत ने गुरुवार को शेयर बाजार बंद होने पर नाराजगी जाहिर की है। उनका कहना है कि महाराष्ट्र के नगरपालिका चुनाव के लिए शेयर बाजार बंद करना गलत है, किसी स्थानीय चुनाव की वजह से ट्रेडिंग रोकना भारत जैसे बढ़ते ग्लोबल मार्केट के लिए अच्छा मैसेज नहीं है। कामत ने एक्स पर लिखा कि भारतीय एक्सचेंज इंटरनेशनल सिस्टम से जुड़े हैं, ऐसे में लोकल लेवल के चुनाव के लिए बाजार बंद करना पूअर प्लानिंग है। यह विदेशी निवेशकों के बीच भारत की गंभीरता पर सवाल खड़ा करती है।

बता दें 15 जनवरी को महाराष्ट्र में नगरपालिक चुनाव हो रहा है, जिस कारण बीएसई और एनएसई में ट्रेडिंग पूरी तरह से बंद किया है। इसका मतलब है कि बीएमसी चुनाव के कारण पूरे देश में शेयर बाजार बंद किए गए हैं। कामत के मुताबिक ऐसे फैसले न सिर्फ निवेशकों को प्रभावित करते हैं बल्कि भारत की ग्लोबल निवेश में गंभीरता पर सवाल उठाते हैं। उन्होंने कहा कि यह पूअर प्लानिंग और सेकेंड ऑर्डर इफैक्ट की समझ की कमी दिखाता है। कामत ने तर्क दिया कि भारत एक्सचेंज अब सिर्फ स्थानीय प्लेटफॉर्म नहीं रहे, बल्कि ग्लोबल फाइनेंस स्ट्रक्चर से जुड़े हुए हैं। ऐसे में स्थानीय लेवल के चुनाव के नाम पर पूरे बाजार को बंद कर देना गलत संदेश देता है। उन्होंने मशहूर निवेशक चार्ली मंगर का कोट भी शेयर किया। कामत ने यह भी कहा

कि मार्केट इसलिए बंद है क्योंकि इसे कोई रोकने वाला नहीं है।

इस कारण ऐसा सिस्टम चल रहा है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स हमें कितना सीरियस लेते हैं, इससे अंदाजा लगाइए।

उन्होंने आगे कहा कि दुनिया की मार्केट स्थानीय स्थानीय चुनावों या फिर आंशिक छुट्टियों के कारण बंद नहीं होती हैं।

हॉलिडे होने से ग्लोबल फंड फ्लो और इंटरनेशनल लिंक्ड प्रोडक्ट्स पर असर होता है।

थोक महंगाई दिसंबर में 8 महीने के उच्च स्तर पर, मुख्य महंगाई दर भी बढ़ी

- खाद्य महंगाई दर नवंबर में यह -2.6 फीसदी थी

नई दिल्ली ।

कंपनियों और कॉमर्स मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार दिसंबर 2025 में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित महंगाई दर 0.83 फीसदी दर्ज की गई, जो पिछले 8 महीनों में सबसे उच्च स्तर है। यह संकेत है कि लंबे समय से जारी अवस्फीति का दौर धीरे-धीरे समाप्त हो रहा है और महंगाई बढ़ने लगी है। खाद्य महंगाई दिसंबर में 0 फीसदी पर स्थिर रही, जबकि नवंबर में यह -2.6 फीसदी थी। प्राथमिक खाद्य वस्तुओं की अवस्फीति दिसंबर में -0.43 फीसदी रही, जो नवंबर के -4.16 फीसदी से कम है। सब्जियां -3.5, मोटे अनाज -1.18, दलहन

-13.44 और प्याज -54.4 फीसदी रही। इसके विपरीत, धान और फलों पर महंगाई का दबाव देखा गया। इससे पता चलता है कि महंगाई के दबाव अब कुछ वस्तुओं पर धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं। मुख्य महंगाई दर, जिसमें खाद्य और ईंधन शामिल नहीं हैं, दिसंबर में 2 फीसदी पर पहुंच गई, जो 34 महीने में उच्चतम स्तर है। एक वरिष्ठ अर्थशास्त्री ने कहा कि रुपये की कमजोरी और वैश्विक कीमतों में वृद्धि मुख्य कारण हैं। उन्होंने अनुमान लगाया कि जनवरी 2026 में थोक खाद्य महंगाई और बढ़ सकती है।

उन्होंने कहा कि अच्छी कृषि फसल, अनुकूल आधार प्रभाव और पर्याप्त जलाशय के कारण खाद्य महंगाई पर नियंत्रण की उम्मीद है।

एक्स ने ग्रोक एआई में आपत्तिजनक तस्वीरें बनाने पर लगाया प्रतिबंध

- सभी उपयोगकर्ताओं पर लागू होगा नया नियम

नई दिल्ली ।

सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स ने अपने एआई चैटबॉट ग्रोक के माध्यम से आपत्तिजनक कपड़ों में लोगों की तस्वीरें बनाने और संपादित करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह नियम सभी उपयोगकर्ताओं पर लागू होगा, चाहे वे मुफ्त सेवा ले रहे हों या सशुल्क ग्राहक हों। अब केवल पेड सब्सक्राइबर्स ही ग्रोक के जरिए तस्वीर बनाने और एडिट करने की सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। कंपनी का कहना है कि यह कदम दुरुपयोग रोकने और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। एक्स ने कहा है कि वह उन क्षेत्रों में, जहां इस तरह की सामग्री कानूनी तौर पर अवैध है, तस्वीर बनाने की क्षमता को भौगोलिक रूप से ब्लॉक करेगा। कंपनी ने स्पष्ट किया कि इससे उसके मौजूदा सुरक्षा नियमों में कोई बदलाव नहीं होगा। सभी एआई जनरेटेड कंटेंट को प्लेटफ़ॉर्म की नीतियों और स्थानीय कानूनों के अनुसार मॉनिटर किया जाएगा। एक्स ने यह भी कहा कि बाल यौन शोषण, बिना सहमति की नग्नता और अवांछित यौन सामग्री को कभी भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उल्लंघन करने वाले खातों को स्थायी रूप से निलंबित किया जाएगा और जरूरत पड़ने पर उपयोगकर्ताओं की जानकारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों को भी दी जाएगी। भारत, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ सहित कई देशों की सरकारें ग्रोक पर डीपफेक और आपत्तिजनक एआई जनरेटेड तस्वीरों को लेकर सवाल उठा रही हैं। भारत के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भी एक्स को चेतावनी दी थी कि अवैध सामग्री हटाई जाए, अन्यथा कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने हटाया 10 मिनट डिलीवरी का दावा

नई दिल्ली ।

स्विगी इंस्टामार्ट, जेप्टो और ब्लिंकइट जैसे प्रमुख क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने अपने मोबाइल ऐप और विज्ञापन से 10 मिनट में डिलीवरी का दावा हटाना शुरू कर दिया है। उदाहरण के लिए, ब्लिंकइट ने अपनी टैगलाइन बदलकर '10 मिनट में 10,000 से उत्पाद से 30,000 उत्पाद आपके दरवाजे पर कर दिया। जेप्टो और स्विगी इंस्टामार्ट ने अपने ऐप विवरण में 10 मिनट में डिलीवरी के बजाय 'मिनटों में डिलीवरी' शब्द जोड़े। बिगबास्केट और फ्लिपकार्ट मिनट्स ने भी गति-संचालित संदेश हटाए हैं। हालांकि ब्रांडिंग बदल रही है, लेकिन डिलिवरी पार्टनर का कहना है कि जमीन पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। नोएडा के स्विगी इंस्टामार्ट डिलिवरी कर्मी राकेश ने कहा कि कंपनी ने उन्हें कोई औपचारिक आदेश नहीं दिया है और ऑर्डर और डिलीवरी समय-सीमा पहले की तरह ही हैं। जेप्टो के कर्मचारी भी यही पुष्टि कर रहे हैं। यूनियनों का कहना है कि वास्तविक प्रभाव तभी दिखेगा जब

ऐप और प्लेटफॉर्म्स अपने राइडर-फेसिंग ऐप और प्रोत्साहन संरचना में बदलाव लाएंगे। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने गिग श्रमिकों की सुरक्षा और 10 मिनट डिलीवरी जैसी समय-सीमाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने ब्लिंकइट, स्विगी इंस्टामार्ट, जेप्टो और अन्य प्लेटफॉर्म्स के प्रतिनिधियों से बैठक की। हालांकि, अभी तक कोई औपचारिक लिखित निर्देश जारी नहीं किया गया है।

भारत की अर्थव्यवस्था बरकरार रखेगी तेज़ रफ्तार

- वर्ल्ड बैंक और डेलॉयट ने बढ़ाया ग्रोथ अनुमान

नईदिल्ली।

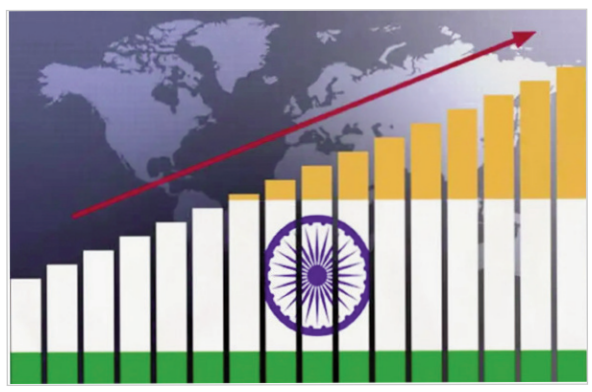

वर्ल्ड बैंक ने भारत की अर्थव्यवस्था के लिए` वित्त वर्ष 2026 का जीडीपी ग्रोथ अनुमान 6.3 फीसदी से बढ़ाकर 7.2 फीसदी कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी टैरिफ के बावजूद मजबूत घरेलू मांग और उपभोग के बेहतर रुझान भारत की वृद्धि को प्रभावित नहीं करेंगे। ग्रामीण आय में सुधार और सरकार द्वारा किए गए टैक्स कटौती ने घरेलू खपत को मजबूती दी है। डेलॉयट ने भी भारत के लिए आशाजनक अनुमान पेश किया है। वित्त वर्ष 2026 में ग्रोथ रेट 7.5 से 7.8 फीसदी रहने का अनुमान है। एजेंसी ने कहा कि मजबूत घरेलू डिमांड और सर्विस सेक्टर की गतिविधियों में मजबूती से भारत की अर्थव्यवस्था रफ्तार बनाए रखेगी। `वित्त वर्ष 2026-27 में वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण ग्रोथ रेट थोड़ी गिरकर 6.6-6.9 फीसदी हो सकती है। डेलॉयट ने भारत के निर्यात में विविधता लाने वाली नई फ्री ट्रेड डील्स को आर्थिक मजबूती का एक कारण बताया। भारत ने ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और ओमान के साथ समझौते किए हैं, जबकि इजराइल के साथ व्यापार और निवेश संबंधों का विस्तार करने की बातचीत जारी है। वैश्विक व्यापार तनाव, विकसित अर्थव्यवस्थाओं में नीतिगत बदलाव और अस्थिर कैश फ्लो जैसी चुनौतियाँ बनी हुई हैं, लेकिन घरेलू सुधार और त्योहारी मांग ने पॉजिटिव आउटलुक को बल दिया है। भारत नॉमिनल जीडीपी में 8त्न की वृद्धि के साथ` वित्त वर्ष 2026 में बेहतर प्रदर्शन करेगा।

तेल कंपनियों का तीसरी तिमाही में प्रदर्शन मजबूत रहने की

पिछली साल की समान तिमाही में यह 3 से 6 डॉलर प्र ति बैरल था

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में भारत की प्रमुख तेलशोधन और विपणन कंपनियों का प्रदर्शन मजबूत रहने की उम्मीद है। सरकारी तेल कंपनियों का जीआरएम इस तिमाही 10 से 13 डॉलर प्रति बैरल रहने की संभावना है, जबकि पिछली साल की समान तिमाही में यह 3 से 6 डॉलर था। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का जीआरएम 13.4 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान है, जो पिछले साल 10.4 डॉलर था। कच्चे तेल की कीमतें कम रहने के कारण पेट्रोल और डीजल जैसे रिफाइंड उत्पादों पर विपणन मुनाफा भी बढ़ा। इस तिमाही में औसत मुनाफा पेट्रोल के लिए 7.38 रुपये और डीजल के लिए 5.25 रुपये प्रति लीटर रहा। ब्रेंट क्रूड की औसत कीमत 63.1 डॉलर प्रति बैरल रही, जो सालाना आधार पर 10.9 डॉलर और तिमाही आधार पर 5 डॉलर कम है। तेल उत्पादों की घरेलू खपत बढ़ने से कंपनियों की बिक्री मजबूत रही। एलपीजी सिलिंडर की बिक्री पर हुए नुकसान की भरपाई के लिए केंद्र सरकार ने 3 सरकारी तेल विपणन कंपनियों को 30,000 करोड़ रुपये का मुआवजा मंजूर किया है। इससे तेल कंपनियों के प्रदर्शन को और समर्थन मिलेगा।

बैंक और एनबीएफसी स्वचालित शिकायत प्रबंधन प्रणाली स्थापित करें

- अस्वीकार की गई शिकायतें स्वतः आईओ के कार्यालय में भेजी जाएंगी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को निर्देश दिया कि वे पूरी तरह स्वचालित शिकायत प्रबंधन प्रणाली स्थापित करें। इस प्रणाली में ग्राहक को शिकायत दर्ज करने और उसकी समीक्षा के लिए आंतरिक लोकपाल (आईओ) और उप-लोकपाल तक पहुंच सुनिश्चित करनी होगी। इसका उद्देश्य शिकायत निवारण प्रक्रिया को तेज़, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि बैंक या एनबीएफसी द्वारा आंशिक रूप से हल या पूरी तरह अस्वीकार की गई शिकायतें स्वतः आईओ के कार्यालय में भेजी जाएंगी। आईओ को इन शिकायतों की समीक्षा के लिए कम से कम 10 दिन दिए जाएंगे। जिन मामलों में आरबीआई, एनपीसीआई या कार्ड नेटवर्क के दिशानिर्देशों में समय-सीमा तय है, उनका समाधान उसी के अनुसार किया जाएगा। अन्य मामलों में शिकायत प्राप्ति के 20 दिन के भीतर समीक्षा पूरी करनी होगी। क्रेडिट सूचना कंपनियों से जुड़ी शिकायतों के लिए समय सीमा 25 दिन रखी गई

है। आईओ कार्यालय जनता से सीधे शिकायतें नहीं देखेगा, बल्कि केवल उन शिकायतों पर विचार करेगा जिन्हें बैंक पहले जांच चुका हो और जिन्हें आंशिक समाधान या खारिज किया गया हो। आरबीआई का यह कदम बैंकिंग क्षेत्र में ग्राहक शिकायतों के त्वरित निपटान और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे ग्राहक संतुष्टि बढ़ेगी और बैंक/एनबीएफसी की जवाबदेही मजबूत होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अंडर-19 वर्ल्ड कप : भारत की जीत के साथ शुरूआत, अमेरिका को 6 विकेट से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के खिलाफ आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 में भारत ने जीत के साथ शुरूआत की है। बुलावेयो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में वर्षा प्रभावित मैच में भारत ने अमेरिका को 6 विकेट से हराया। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया और हेनिल पटेल के पारी में 5 विकेट की बदौलत भारत ने अमेरिका की 107 रन पर ढेर कर दिया। अमेरिका की तरफ से नितीश सुदिनी ने सबसे ज्यादा 36 रन बनाए। बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने भी गेंदबाजी की और एक विकेट झटका। भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 3 विकेट के नुकसान पर 53 रन बना लिए हैं।

इसके जवाब में उतरी भारतीय टीम ने खराब शुरुआत की क्योंकि वैभव सूर्यवंशी मात्र 2 रन पर बोल्ड हो गए। इसके बाद बारिश आ गई जिस कारण मैच को रोक दिया गया। भारत का औसत शानदार था जिस कारण कुछ देर के बाद जब बारिश रूकी तो ओवर कम करके लक्ष्य 96 का कर दिया गया। कप्तान आयुश महात्रे और वेदांत त्रिवेदी टिकने की कोशिश में थे कि त्रिवेदी (2) आउट हो गए। इसके बाद विहान मल्होत्रा क्रीज पर आए। लेकिन टीम का स्कोर 25 था जब कप्तान महात्रे (19) आउट हो गए। इसके बाद मल्होत्रा और अभिज्ञान कुंडू के बीच 45 रन की साझेदारी हुई। टीम का स्कोर 70 था जब मल्होत्रा (18) आउट हो गए और कुंडू (42) कनिष्क चौहान (10) के साथ जीत दर्ज कर वापस लौटे।

टी20 विश्वकप को देखते हुए फिटनेस हासिल करने में लगे हैं हेजलवुड

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड अगले माह होने वाले टी20 विश्कप को देखते हुए फिटनेस हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं। हेजलवुड को 7 फरवरी से होने वाले विश्वकप के लिए टीम में शामिल किया गया है पर उनके खेलने का फैसला फिट होने पर ही लिया जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्वकप में अपना अभियान 11 फरवरी को कोलंबो में आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले से करेगी। हेजलवुड टीम के प्रमुख गेंदबाजों में शामिल हैं, ऐसे में टीम को उनके फिट होने का इंतजार है। हेजलवुड ने हाल ही में एशेज सीरीज में काफी अच्छी गेंदबाजी की थी पर अब उन्हें ब्रेक मिला हुआ है। इसी कारण वह बिग बैश लीग (बीबीएल) से भी बाहर हैं। इस तेज गेंदबाज ने कहा कि आजकल वह अपनी गेंदबाजी, रनिंग और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग पर काम कर रहे हैं और ट्रैक पर वापस आने को लेकर सकारात्मक हैं। हेज़लवुड ने कहा, सब कुछ प्लान के हिसाब से चल रहा है। पिछले हफ़्ते मैंने हाफ-रन से कुछ गेंदबाजी की। रनिंग अच्छी चल रही है, स्ट्रेंथ की सभी चीजें

अच्छी चल रही हैं, तो हां, सब ट्रैक पर है। हेजलवुड का मानना है कि इस सत्र में लगातार फिटनेस संबंधी परेशानियों के कारण उनके लिए अपने शरीर को लय में बनाये रखना एक चुनौती रही है। इस सीजन में लगातार चोटों के बारे में हेजलवुड ने कहा, कभी-कभी, जब एक चीज ठीक होती है, तो दूसरी सामने आ जाती है। मुझे लगता है कि जब आप फिर से अभ्यास शुरू करते हैं, तो कभी-कभी आपके शरीर को रुकना और फिर से शुरू करना पसंद नहीं आता। इसलिए अब वह इन परेशानियों पर ज़्यादा ध्यान नहीं दे रहे।

शुभमन ने हार के लिए गेंदबाजी को जिम्मेदार बताया

-बीच के ओवरों में नहीं निकाल पाये विकेट

राजकोट(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में 7 विकेट से हार पर निराशा जताते हुए इसके लिए गेंदबाजी को जिम्मेदार बताया और कहा कि वे बीच के ओवरों में विकेट नहीं ले पाये। वहीं न्यूजीलैंड ने डेरिल मिचेल की शतकीय पारी 131 रनों की सहायता से ये मुकाबला आसानी से जीत लिया। कीवी टीम ने जीत के लिए मिले 285 रनों के लक्ष्य को 47.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। शुभमन ने कहा, 'हम बीच के ओवरों में कोई विकेट नहीं ले पाये। साथ ही कहा कि अगर आप 5 फील्डर अंदर होने के बाद भी बीच के ओवरों में विकेट नहीं निकाल पाते हैं तो काफी कठिन स्थिति हो जाती है। ऐसे में अगर हमने कुछ अधिक रन भी बनाये होते तो भी हम अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पाते। किसी भी टीम को रोकने के लिए विकेट लेना जरुरी होता है। अगर ऐसा नहीं होता है तो जीत दर्ज करना संभाव नहीं होता।' उन्होंने कहा कि हमने मेहमान टीम को एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया था। पहले 10 ओवरों में हमारी गेंदबाजी कसी हुई थी पर बाद में हम उसे बरकरार नहीं रख पाये। हम विरोधी टीम पर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे थे पर सफल नहीं हुए। इसके अलावा जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, बल्लेबाजी आसान होती गई जिसका भी लाभ् मेहमान टीम को मिला। इसका कारण है कि विकेट अच्छी तरह से जम गया था. मुझे लगता है कि हमें बीच के के ओवरों में हमें जोखिम लेते हुए आक्रामक गेंदबाजी करनी चाहिये थी।'इसके अलावा कप्तान ने टीम की कमजोर फील्डिंग को भी हार के लिए जिम्मेदार माना है। उन्होंने

कहा कि हमने कई अवसर खोये अगर ऐसा नहीं होतो तो परिणाम कुछ और होता।

वोलवार्ड्ट को मिला दिसंबर महीने का प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड

दुबई । दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान लौरा वोलवार्ड्ट को दिसंबर 2025 में किये अच्छे प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड दिया गया है। वोल्वार्ड्ट ने इस अवार्ड की दौड़ में साथी सुने लुस और भारत की शैफाली वर्मा को भी पीछे छोड़ा। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में वोलवार्ड्ट ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था। उन्होंने इसके अलावा एक महीने में सभी फॉर्मेट में तीन शतक लगाकर साल का समापन किया था। वोलवार्ड्ट ने पहले टी20 में 205.35 के शानदार स्ट्राइक रेट से नाबाद 115 रन बनाए जिसमें 15 चौके और चार छक्के शामिल थे। इसके बाद एकदिवसीय सीरीज में भी उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की। उन्होंने लगातार दो शतक लगाए जिसमें दूसरे एकदिवसयीय में 111 गेंदों में 124 रन और आखिरी मैच में नाबाद 100 रन थे । वोलवार्ड्ट ने तीनों एकदिवसीय में 127.50 के शानदार औसत और 111.84 के स्ट्राइक रेट से 255 रन बनाए। वहीं टी20 सीरीज में उन्होंने 190.27 के शानदार स्ट्राइक रेट से 137 रन बनाए और सिर्फ एक बार आउट हुईं। यह वोलवार्ड्ट का दूसरा प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड है, उन्होंने इससे पहले अक्टूबर 2025 में यह अवॉर्ड जीता था। अवार्ड दूसरी बार मिलने पर इस खिलाड़ी ने खुशी जतायी है। साथ ही कहा कि अब उनका ध्यान टी20 विश्वकप पर रहेगा।

इंडिया ओपन: लक्ष्य ने केंटा को सीधे मैचों में हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के टॉप रैंक वाले पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने गुरुवार को यहां इंदिरा गांधी स्टेडियम में योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए जापान के निशिमोटो केंटा को हराया। पेरिस ओलंपिक के सेमी फाइनलिस्ट लक्ष्य सेन पहले गेम में शुरुआत में थोड़ा घबरा गए और पीछे हो गए लेकिन बाद में उन्होंने लय पकड़ी और आखिर में शानदार जीत हासिल की।

पहले गेम में 14-18 से पीछे होने के बाद लक्ष्य ने वापसी करते हुए पहला गेम 21-19 से जीत लिया। एक बार जब उन्होंने लय पकड़ ली, तो दुनिया के नंबर 13 खिलाड़ी ने दूसरा गेम 21-10 से जीत लिया। क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य एकमात्र भारतीय एकल खिलाड़ी होंगे। इससे पहले भारत की उम्मीद एच एस प्रणय और किदांबी श्रीकांत इंडिया ओपन के दूसरे दौर में गुरुवार को तीन गेमों के संघर्षपूर्ण मुकाबले में हार कर बाहर हो गए। प्रणय को आठवीं सीड सिंगापुर के लोह कीन यियू ने 18-21, 21-19, 21-14 से हराया। प्रणय पहला गेम जीतने का फायदा नहीं उठा पाये और अगले दो गेम हारकर मुकाबले से बाहर हो गए। श्रीकांत को पांचवीं सीड फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने 21-14, 17-21, 21-17 से हराया। पूर्व नंबर एक श्रीकांत ने पहला गेम हारने के बाद दूसरे गेम में संघर्ष दिखाते हुए जीत हासिल की, लेकिन निर्णायक गेम हारकर वह भी टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

प्रणय और श्रीकांत इंडिया ओपन के दूसरे दौर में हारे

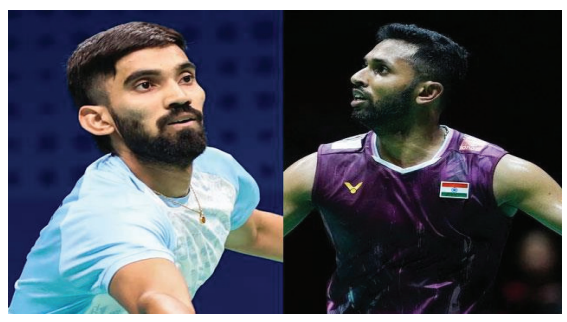

नई दिलली । भारत की उम्मीद एच एस प्रणय और किदांबी श्रीकांत इंडिया ओपन के दूसरे दौर में गुरुवार को तीन गेमों के संघर्षपूर्ण मुकाबले में हार कर बाहर हो गए। प्रणय को आठवीं सीड सिंगापुर के लोह कीन यियू ने 18-21, 21-19, 21-14 से हराया। प्रणय पहला गेम जीतने का फायदा नहीं उठा पाये और अगले दो गेम हारकर मुकाबले से बाहर हो गए। श्रीकांत को पांचवीं सीड फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने 21-14, 17-21, 21-17 से हराया। पूर्व नंबर एक श्रीकांत ने पहला गेम हारने के बाद दूसरे गेम में संघर्ष दिखाते हुए जीत हासिल की, लेकिन निर्णायक गेम हारकर वह भी टूर्नामेंट से बाहर हो गए। इस बीच महिला एकल में मालविका बंसोड़ को भी हार का सामना करना पड़ा। बंसोड़ को पांचवीं सीड हान युई ने 21-18, 21-15 से हराया। महिला एकल में भारत की सबसे बड़ी उम्मीद पीवी सिंधु बुधवार को पहले ही दौर में बाहर हो गई थी।

सिराज रणजी ट्रॉफी के बचे हुए मुकाबलों में हैदराबाद की कप्तानी करेंगे

मुम्बई । तिलक वर्मा की जगह पर मोहम्मद सिराज को रणजी ट्रॉफी के बचे मुकाबलों के लिए हैदराबाद का कप्तान बनाया गया है। हैदराबाद की टीम को इस सत्र के अपने बचे हुए दो मैचों में 22 और

29 जनवरी को अपने घरेलू मैदान पर मुंबई और छत्तीसगढ़ से खेलना है। वहीं शुरुआती सत्र में कप्तान रहे तिलक को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए शामिल किया गया है। इसी कारण उनकी जगह सिराज को कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। तिलक हालांकि सजरी के कारण पहले तीन टी20 मैचों से बाहर रहेंगे। सिराज को पहली बार कप्तानी दी गयी है। सिराज मुंबई के खिलाफ बतौर कप्तान अपना डेब्यू मैच खेलेंगे। इससे पहले वह राष्ट्रीय टीम में होने केारण उपलब्ध नहीं थे। चयन समिति ने कहा , हमने सिराज बात की है और वह बाकी सत्र के लिए उपलब्ध हैं। वह एक फाइटर हैं और हमेशा जीतना चाहते हैं, और हमें भरोसा है कि इसका असर दूसरों पर भी पड़ेगा। हाल में विजया हजारे ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले अमन राव पेराला को भी टीम में शामिल किया गया है।

हैदराबाद की टीम : मोहम्मद सिराज (कप्तान), जी राहुल सिंह (उप कप्तान), सीवी मिलिंद, तनय त्यागराजन, के रोहित रायुडू, के हिमातेजा, ए वरुण गौड़, एम अभिरथ रेड्डी, राहुल रादेश (विकेटकीपर), अमन राव पेराला, सीटीएल रक्षण रेडी, एन नितिन साई यादव, कनाला नितेश रेड्डी, साई प्रगनय रेड्डी (विकेटकीपर) और बी पुन्नैया।

स्टैंडबाय : मिकिल जयसवाल, ए अवनीश राव (विकेटकीपर), कार्तिकेय काक, प्रणव वर्मा और पी नीतीश रेड्डी।

विजय हजारे ट्रॉफी के सेमीफाइनल में आज होगा पंजाब और सौराष्ट्र का मुकाबला

बेंगलुरु (एजेंसी)। पंजाब की टीम शुक्रवार को विजय हजारे ट्रॉफी क्रिकेट 2025-26 के सेमीफाइनल में सौराष्ट्र से खेलेगी। मुंबई के खिलाफ मैच में मिली जीत से पंजाब की टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। जिससे अब उनका लक्ष्य इस मैच को जीतकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाना रहेगा। जैसी मजबूत घरेलू टीम के खिलाफ आखिरी ग्रुप मैच में एक रन की रोमांचक जीत के बाद पंजाब का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है। वहीं इससे पहले क्वार्टरफाइनल में उसने मध्य प्रदेश को आसानी से हराया था।

इस मैच में कप्तान अभिषेक शर्मा के नहीं होने से प्रभुसिमरन सिंह टीम की कप्तानी करेंगे। क्वार्टरफाइनल में प्रभुसिमरन, अनमोलप्रीत सिंह और नेहाल वढेरा ने अर्धशतक लगाये थे जिससे तय है कि ये खिलाड़ी अच्छी लय में है। ऐसे में टीम को इनसे सेमीफाइनल में भी बड़े स्कोर की उम्मीद रहेगी। इन बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना सौराष्ट्र के गेंदबाजों के लिए काफी कठिन रहेगा। वहीं गेंदबाजी में भी पंजाब का आक्रमण अच्छा है। उसके पास तेज गेंदबाज गुरनूर बरार के अलावा तेज गेंदबाज संवीर सिंह भी है। इन दोनो का अब तक का प्रदर्शन अच्छा रहा है।

वहीं सौराष्ट्र की टीम की उम्मीदें सलामी बल्लेबाज हरविक देसाई पर रहेंगी। इस सत्र में उन्होंने तीन शतक और दो अर्धशतक लगाए हैं और टीम की बल्लेबाजी उनपर आधारित है। उसने पिछले मैच में उत्तर प्रदेश को हराया है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। उसके पास तेज गेंदबाज के तौर पर चेतन साकारिया हैं, जिन्होंने लगातार पिछले तीन मैचों में तीन-तीन विकेट लिए हैं। इसके अलावा अनुभवी तेज गेंदबाज चिराग जानी भी अहम भूमिका निभा सकते है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

सौराष्ट्र: रुचित आहिर, पार्थ भूट, युवराज चूड़सामा, हरविक देसाई, सम्मर गज्जर, अंश गोसाई, विश्वराज जडेजा, धर्मेंद्रसिंह जडेजा, चिराग जानी, जय गोहिल, हितेन कंबी, प्रणव करिया, हेत्विक कोटक, प्रेरक मांकड़, अंकुर पंवार, पारस्वराज राणा, चेतन साकारिया, तरंग गोहिल

पंजाब: अभिषेक शर्मा, अनमोलप्रीत सिंह, सलील अरोड़ा, अर्शदीप सिंह, सुखदीप सिंह बाजवा, गौरव चौधरी, गुरनूर ब्रार, हरनूर सिंह, हरप्रीत ब्रार, जशनप्रीत सिंह, कृष्ण भगत, नामन धीर, प्रब्सिमरन सिंह, रमणदीप सिंह, उदय सहारण, संवीर सिंह, रघु शर्मा, शुभमन गिल।

खिलाड़ियों के विरोध के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के निदेशक नजमुल हटाये गये

ढाका (एजेंसी)। खिलाड़ियों के भारी विरोध को देखते हुए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के निदेशक एम नजमुल इस्लाम को पद से हटा दिया गया है। नजमुल से खिलाड़ी बेहद नाराज थे और उन्होंने धमकी दी थी कि अगर नजमुल नहीं हटाये गये तो वे हड़ताल कर देंगे। खिलाड़ियों ने नजमुल के बयानों पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा था कि उन्होंने हद पार कर दी है। लिया है।

क्रिकेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ बांग्लादेश ने नजमुल इस्लाम के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए कहा था कि वह अपने पद से इस्तीफा नहीं देते हैं, तो खिलाड़ी सभी प्रारुपों का बहिष्कार करेंगे। खिलाड़ी इसलिए नाराज थे क्योंकि नजमुल ने पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को भारतीय एजेंट कहा था। खिलाड़ियों ने इसे अपना अपमान बताया। इस मामले को सुलझाने के लिए एसोसिएशन और बीसीबी के अधिकारियों के बीच बातचीत भी हुई पर कोई हल नहीं निकला। खिलाड़ियों ने अपने फैसले पर बरकरार रहते हुए तय समय से कई घंटे पहले तक मैदान पर न आने का फैसला किया। इसके चलते बांग्लादेश प्रीमियर लीग का शुरुआती मैच भी शुरु नहीं हो पाया।

19 साल की कनाडाई खिलाड़ी म्बोको ने मेडिसन कीज को हराया

एडिलेड । 19 साल की कनाडाई खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको ने गुरुवार को एडिलेड इंटरनेशनल में मैडिसन कीज के टाइटल डिफेंस को 6-4, 4-6, 6-2 से हराकर खत्म कर दिया। यह इस हफ्ते डब्ल्यूटीए 500 इवेंट में खेले गए उतने ही मैचों में उनकी तीसरी तीन-सेट वाली जीत थी। एक सेट और एक ब्रेक से आगे होने के बाद, कीज के खिलाफ म्बोको के लिए चीजें मुश्किल हो गईं जिन्होंने 2022 में एडिलेड से एक ट्रॉफी भी जीती थी। लेकिन मौजूदा ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन आखिरी सेट में थक गईं और म्बोको ने आखिरकार 1 घंटे और 53 मिनट में अपने छोटे से करियर की दूसरी टॉप 10 जीत हासिल की। कनाडाई खिलाड़ी ने कीज के आखिरी सेट की शुरुआत में सर्व होल्ड करने के बाद लगातार पांच गेम जीते और जीत हासिल की। उन्हें डिफेंडिंग चैंपियन के उतार-चढ़ाव वाले प्रदर्शन का फायदा मिला, जिन्होंने कुल 41 अनफोर्स्ड एरर किए और - नौ ऐस मारने के बावजूद - 12 ब्रेक पॉइंट का सामना किया और छह बार सर्व गंवाई। म्बोको ने बाद में कहा, 'मुझे पता है कि उसने पिछले साल यह टूर्नामेंट जीता था, और बेशक, ऑस्ट्रेलियन ओपन भी, और मुझे इस मैच में आने से पहले पता था कि यह एक बड़ी लड़ाई होगी।' आठवीं सीड अब सेमीफाइनल में पसंदीदा स्थिति में होंगी क्योंकि वह डब्ल्यूटीए टूर पर अपने तीसरे करियर फाइनल की तलाश में हैं जो सभी पिछले अगस्त में मॉन्ट्रियल में अपने घरेलू मैदान पर डब्ल्यूटीए 1000 टाइटल जीतने के बाद से आए हैं। उस टूर्नामेंट के पहले राउंड में, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की किम्बर्ली बिररेल को हराया था और यह जोड़ी इस बार फिर खेलेगी, जिसमें बिना सीड वाली बिररेल को अब घरेलू दर्शकों का फायदा मिलेगा। 27 साल की गोल्ड कोस्ट की रहने वाली खिलाड़ी ने अपने करियर में पहली बार डब्ल्यूटीए 500-लेवल के सेमीफाइनल में जगह बनाई, जिसमें उन्होंने तीन सेट में जीत हासिल की - रोमानिया की जैकलिन क्रिस्टियन के खिलाफ 5-7 6-1, 7-5 का एक शानदार मैच जो 3 घंटे और 4 मिनट तक चला।

नीरज चोपड़ा को मिली मंजूरी, ट्रेनिंग के लिए पोटचेफस्ट्रूम रवाना

नई दिल्ली(एजेंसी)। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने अपने चुने हुए स्थल दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में सत्र पूर्व ट्रेनिंग शुरू कर दी है। खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (रूष्ट) ने नए कोच जय चौधरी के साथ उनके 32 दिवसीय शिविर को मंजूरी दे दी है। नीरज ने पिछले हफ्ते चेक गणराज्य के दिग्गज जान जेलेजनी से कोच के तौर पर अलग होने का फैसला किया और चौधरी के साथ जुड़ने का फैसला किया जो उनके शुरुआती कोच थे और इस सुपरस्टार के गृहनगर पानीपत में भाला फेंक के खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देते हैं।

भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि

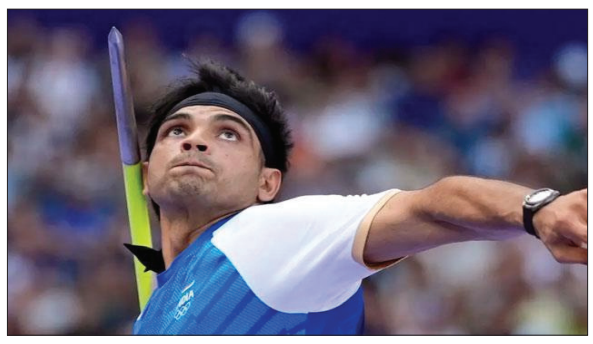

यह 28 वर्षीय खिलाड़ी पांच फरवरी तक पोटचेफस्ट्रूम में रहेगा जो दुनिया भर के भाला फेंक के खिलाड़ियों के लिए एक प्रमुख ट्रेनिंग स्थल है और उनके लिए कुल स्वीकृत सहायता राशि 11 लाख 80 हजार रुपए है। टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) में शामिल एलीट खिलाड़ियों को वित्तीय और साजो-सामान से जुड़ी सहायता पर फैसला करने वाला एमओसी ने बुधवार को यहां बैठक की थी। ट्रेनिंग शिविर में नीरज की सहयोगी टीम में लंबे समय से उनके फिजियोथेरेपिस्ट इशान मारवाहा भी शामिल हैं।

सूत्र ने कहा, 'इस ट्रेनिंग शिविर का लक्ष्य इस साल होने वाली प्रमुख प्रतियोगिताओं जिसमें एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल शामिल हैं, से पहले उनकी शारीरिक अनुकूलनता, ताकत और तकनीकी निरंतरता को बेहतर बनाना है। स्वीकृत प्रस्ताव के अनुसार वित्तीय सहायता में उनके ट्रेनिंग शिविर का खर्च, जिम और ट्रेनिंग मैदान तक पहुंच, हवाई अड्डे से आना-जाना और जेब खर्च शामिल होगा।'

हरियाणा के इस खिलाड़ी को पिछले साल एडक्टर मांसपेशी में खिंचाव की समस्या थी लेकिन इसके बावजूद वह दोहा डाइमंड लीग में 90 मीटर का आंकड़ा पार करने में कामयाब रहे थे। हालांकि उनके लिए एक बड़ी निराशा पिछले साल सितंबर में तोक्यो विश्व चैंपियनशिप में आठवें स्थान पर रहना था जिसके बाद उन्होंने अपनी फिटनेस समस्याओं को ठीक करने के लिए ब्रेक लेने का फैसला किया। वह तोक्यो में गत चैंपियन थे लेकिन पूरे मुकाबले के दौरान साफ तौर पर असहज दिखे। उम्मीद है कि नीरज मई में दोहा डाइमंड लीग में अपने 2026 सत्र की शुरुआत करेंगे। एमओसी की 167वीं बैठक में विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों के प्रस्तावों के लिए कुल एक करोड़ 40 लाख रुपये मंजूर किए गए। सूत्र ने बताया, 'इसमें दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में सचिन यादव के लिए विशेष भाला फेंक उपकरण का आग्रह भी शामिल है।' यादव पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहकर सुर्खियों में आए थे। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण करते हुए नीरज से बेहतर प्रदर्शन किया था। एमओसी की अगली बैठक फरवरी के बीच में होने की उम्मीद है और सूत्रों के अनुसार उस बैक में कोर और डेवलपमेंट समूल के खिलाड़ियों की मौजूदा सूची की कड़ी समीक्षा की जाएगी।

सूत्र ने कहा, 'बुधवार को बैठक ऑनलाइन हुई थी और हालांकि इसी में समीक्षा की जानी थी लेकिन हमने फैसला किया कि खिलाड़ियों की समीक्षा आमने-सामने की बैठक में की जानी चाहिए। इसलिए फरवरी की बैठक महत्वपूर्ण होगी।' कोर समूह के खिलाड़ियों की संख्या अभी 118 है जिसमें 57 सामान्य और 61 पैरा खिलाड़ी शामिल हैं।

अगस्त में बीडब्लयूएफ विश्व चैंपियनशिप में शामिल होंगे एंटोनसन, वायु प्रदूषण के कारण इंडिया ओपन सुपर से नाम वापस लिया

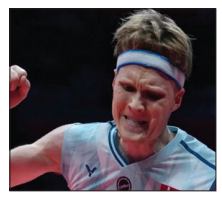

नई दिल्ली। डेनमार्क के स्टार खिलाड़ी एंडर्स एंटोनसन ने कहा है कि वह अगस्त में होने वाली बीडब्लयूएफ बैडमिंटन (बीडब्लयूएफ) विश्व चैंपियनशिप में भाग ले सकते हैं। एंटोनसन के अनुसार वह दिल्ली में वायु प्रदूषण के कारण इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शामिल नहीं हुए हैं। एंटोनसन ने गत सप्ताह ही इंडिया ओपन से नाम वापस लेने पर फैसला कर लिया पर तब कारणों का खुलासा नहीं किया था। वहीं अब विश्व के इस दूसरे नंबर के खिलाड़ी ने सोशल मीडिया में अपने इस फैसले का कारण बताया है। इस खिलाड़ी को एंटोनसन ने कहा, 'उम्मीद है कि जब दिल्ली में विश्व चैंपियनशिप होगी तो हालात बेहतर होंगे। एंटोनसन ने इंडिया ओपन का ड्रॉ निकाले जाने से पहले ही प्रतियोगिता से नाम वापस ले लिया था पर पर फिर भी प्रतियोगिता से हटने के कारण बैडमिंटन की विश्व संचालन संस्था (बीडब्ल्यूएफ) ने उन पर पांच हजार अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाया था। एंटोनसन पिछली बार 2023 में इंडिया ओपन में खेले थे जहां वह दूसरे दौर में हार गए थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

थाईलैंड में क्रेन गिरने के कारण पटरी से उतरी ट्रेन, 22 लोगों की मौत ; 30 घायल

बैंकाक, एजेंसी। थाईलैंड में एक बड़ा रेल हादसा हुआ है। दरअसल राजधानी बैंकॉक से थाईलैंड के उत्तर पश्चिमी प्रांत जा रही एक ट्रेन पर निर्माणाधीन साइट की क्रेन गिर गई। इसके बाद ट्रेन भी पटरी से उतर गई। इस हादसे में 22 लोगों की मौत हुई है और करीब 30 लोग घायल हैं। ये दुर्घटना बुधवार सुबह थाईलैंड के सिखियो जिले में हुई। यह क्षेत्र राजधानी बैंकॉक से करीब 230 किलोमीटर दूर है। क्रेन गिरने के चलते ट्रेन पटरी से उतर गई और उसमें आग लग गई। फिलहाल आग को बुझा लिया गया है और बचाव कार्य चल रहा है। हादसे के बाद राहत और बचाव कार्यों का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि बचाव कर्मी हादसाग्रस्ट ट्रेन को काटकर घायल लोगों को निकाल रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हादसे का शिकार हुई ट्रेन में 195 यात्री सवार थे। हालांकि ये आंकड़ा ट्रेन में सीटों के आधार पर बताया गया है और ट्रेन में असल में कितने यात्री सवार थे, इसका आंकड़ा अलग हो सकता है। थाईलैंड सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। हादसा बुधवार सुबह 9 बजे के करीब हुआ।

ट्रंप के हमले का दिखने लगा असर, वेनेजुएला ने रिहा किए जेल में बंद अमेरिकी नागरिक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने 2 से 3 जनवरी की दरमियानी रात वेनेजुएला पर एक विस्फोटक हमला किया था। अमेरिकी सेना इस हमले में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोर्स को गिरफ्तार कर ले गई थी। अमेरिका के इस हमले के 12 दिन बाद ही वेनेजुएला ने जेल में बंद अमेरिकी नागरिकों को रिहा कर दिया है। ट्रंप प्रशासन ने वेनेजुएला के इस फैसले का स्वागत किया है। अमेरिकी सरकार ने मंगलवार 13 जनवरी को बताया कि वेनेजुएला में हिरासत में लिए गए कई अमेरिकी नागरिकों को रिहा कर दिया गया है। विदेश विभाग ने कहा, हम वेनेजुएला में हिरासत में लिए गए अमेरिकी नागरिकों की रिहाई का स्वागत करते हैं। यह अंतरिम अधिकारियों का सही दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। वेनेजुएला की राष्ट्रीय विधानसभा के प्रमुख जॉर्ज रोड्रिगेज ने अमेरिका के हमले के बाद एक बड़ा एलान किया था। रोड्रिगेज ने कहा था, मादुरो को सत्ता से हटाने वाले सैन्य अभियान के बाद शांति स्थापित करने के प्रयास में देश में कैद वेनेजुएला और अन्य विदेशी नागरिकों की काफी संख्या को रिहा किया जाएगा। वेनेजुएला के मानवाधिकार समूह फोरम पेनाल ने मंगलवार शाम तक बताया कि राजनीतिक कारणों से हिरासत में लिए गए 56 कैदियों को रिहा कर दिया गया है। समूह ने रिहाई को लेकर सरकार की पारदर्शिता की कमी की आलोचना की। वेनेजुएला सरकार ने संगठन के इस आंकड़े को खारिज करते हुए मंगलवार दोपहर को इन कैदियों की संख्या 400 बताई।

विनाशकारी नतीजे..., ईरान में प्रदर्शनकारियों को ट्रंप की मदद के दावे पर रूस की कड़ी चेतावनी

मॉस्को, एजेंसी। ईरान में जारी सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। ट्रंप ने ईरानी प्रदर्शनकारियों से सड़कों पर डटे रहने की अपील करते हुए कहा कि मदद रास्ते में है। इसके तुरंत बाद रूस ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी और कहा कि ईरान के खिलाफ किसी भी नए सैन्य कदम के विनाशकारी नतीजे होंगे। रूस के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका को सख्त शब्दों में आगाह किया कि ईरान के खिलाफ नए सैन्य हमलों की धमकियां पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। मंत्रालय ने कहा कि बाहरी ताकतों द्वारा प्रेरित अशांति को बहाना बनाकर अगर फिर से हमला किया गया, तो इससे मध्य पूर्व और वैश्विक सुरक्षा पर गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। रूस ने इसे ईरान के आंतरिक मामलों में विध्वंसक हस्तक्षेप करार दिया। ईरान में बीते कई हफ्तों से सरकार विरोधी प्रदर्शन चल रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, सुरक्षाबलों की कार्रवाई में करीब 2,000 लोगों की मौत हो चुकी है। हालात को काबू में रखने के लिए सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकारों को लेकर चिंता बढ़ी है। अमेरिका लगातार इन प्रदर्शनों को नैतिक समर्थन देता रहा है। रूस की चेतावनी और ट्रंप के बयान के बाद यह साफ है कि ईरान का मुद्दा सिर्फ एक देश तक सीमित नहीं रहा। मध्य पूर्व पहले ही अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। अगर अमेरिका सैन्य कदम उठाता है, तो इसका असर सिर्फ ईरान तक नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ सकता है। आने वाले दिनों में यह देखना अहम होगा कि कूटनीति हावी रहती है या टकराव का रास्ता चुना जाता है।

टैरिफ से बदली अमेरिका की तस्वीर? ट्रंप ने बताया कैसे कुछ महीनों में ही व्यापार घाटे को किया कम

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका की आर्थिक नीतियों को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर आक्रामक रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि टैरिफ नीति के चलते अमेरिका की अर्थव्यवस्था ने तेजी से करवट बदली है। ट्रंप का दावा है कि कुछ ही महीनों में रिकॉर्ड स्तर का व्यापार घाटा घटा है और शेयर बाजार ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गया है। उनके मुताबिक, यह बदलाव उनकी सरकार की सख्त टैरिफ रणनीति का सीधा नतीजा है।

ट्रंप ने अपने बयान में कहा कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में अमेरिका ने हर साल एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक का व्यापार घाटा झेला। लेकिन चुनाव नतीजों और टैरिफ से होने वाली आय के कारण यह घाटा कम समय में घटाया गया। ट्रंप ने इसे अमेरिका को मजबूत और शक्तिशाली बनाने वाली नीति बताया और कहा कि पिछली पीढ़ियों में भी टैरिफ ने देश को आर्थिक ताकत दी थी।

क्यों टैरिफ को बता रहे हैं कामयाबी की वजह : ट्रंप का कहना है कि टैरिफ लागू होने से विदेशी उत्पादों पर निर्भरता घटी और घरेलू उद्योगों को बढ़ावा मिला। उनके

मुताबिक, शेयर बाजार चुनाव के बाद से अपने सर्वोच्च स्तर पर है। ट्रंप ने इसे निवेशकों के भरोसे और मजबूत आर्थिक संकेतों से जोड़ा। उन्होंने कहा कि उत्पादकता बढ़ी है, निवेश में उछाल आया है और आमदनी में सुधार दिख रहा है।

ऑटो सेक्टर पर असर : ट्रंप ने विदेशी ऑटोमोबाइल पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले को बड़ा कदम बताया। उनका दावा है कि इससे अमेरिकी ऑटो उद्योग में 70 अरब डॉलर से अधिक का नया निवेश आया है। खास तौर पर डेट्रॉयट, जिसे कार निर्माण की राजधानी माना जाता है, वहां निवेश तेज हुआ है। ट्रंप के मुताबिक, कंपनियां अब अमेरिका में कारें बनाना चाहती हैं, न कि बाहर।

व्यापार घाटा घटने का दावा कितना अहम : ट्रंप ने कहा कि व्यापार घाटा घटाना उनकी प्राथमिकता रही है। उनके मुताबिक, टैरिफ से आय बढ़ी और आयात पर निर्भरता कम हुई। इससे अमेरिकी उद्योगों को प्रतिस्पर्धा में फायदा मिला। ट्रंप का यह भी कहना है कि उनकी नीतियों से अमेरिका को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर से सम्मान मिला है। ट्रंप के बयान ऐसे समय आए हैं, जब वैश्विक व्यापार पर टैरिफ को लेकर बहस तेज है। समर्थकों का मानना है कि टैरिफ से घरेलू उद्योग मजबूत होंगे, जबकि आलोचक महंगाई और व्यापार तनाव की आशंका जता रहे हैं। ट्रंप ने हालांकि साफ किया कि वह अपनी नीति पर कायम रहेंगे और इसे अमेरिका के हित में जरूरी मानते हैं।

आदर्श स्थिति में अमेरिका ईरान में लोकतंत्र देखना चाहता : ईरान में जारी राजनीतिक अस्थिरता और सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि आदर्श स्थिति में अमेरिका ईरान में लोकतंत्र देखना चाहता है। उनका कहना है कि ईरानी लोगों को लंबे समय से दमन और भय में जीना पड़ रहा है और अब उन्हें आज़ादी मिलनी चाहिए। ट्रंप से जब पूछा गया कि क्या वह ईरान में लोकतंत्र देखना चाहते हैं, तो उन्होंने साफ कहा कि अमेरिका नहीं चाहता कि वहां लोगों की हत्या हो। ट्रंप के मुताबिक, ईरान के आम लोग लंबे समय से नरक जैसी जिंदगी जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया को यह देखना चाहिए कि ईरानी नागरिकों को थोड़ी आजादी और सम्मान मिले। ईरान के सुरक्षा प्रमुख अली लारीजानी ने ट्रंप पर हमला बोलते हुए कहा कि ट्रंप और नेतन्याहू ईरानी जनता के मुख्य हत्यारे हैं। लारीजानी ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इस्राइल की नीतियों की वजह से ईरान में हालात बिगड़े हैं और निर्दोष लोगों की जान जा रही है। उन्होंने ट्रंप के लोकतंत्र संबंधी बयान को पाखंड करार दिया।

ईरान में हालात कितने गंभीर हैं : ईरान में बीते कई हफ्तों से सरकार विरोधी प्रदर्शन चल रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, सुरक्षाबलों की कार्रवाई में करीब 2,000 लोगों की मौत हो चुकी है। हालात को काबू में रखने के लिए सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकारों को लेकर चिंता बढ़ी है। अमेरिका लगातार इन प्रदर्शनों को नैतिक समर्थन देता रहा है।

सिंगापुर का पासपोर्ट दुनिया में सबसे शक्तिशाली, 192 देशों तक पहुँच

सिंगापुर, एजेंसी। 2026 में दुनिया के पासपोर्ट की ताकत का नया आंकड़ा आया है। ये दिखाता है कि ग्लोबल मोबिलिटी की खाई और बड़ी हो गई है। हेन्ली पासपोर्ट इंडेक्स के मुताबिक, कूटनीति, आर्थिक ताकत और राजनीतिक स्थिरता ने इस रैंकिंग को पूरी तरह बदल दिया है। सिंगापुर ने एक बार फिर दुनिया का सबसे मजबूत पासपोर्ट का ताज अपने नाम किया है, जबकि कई यूरोपीय देश पीछे छूटते नजर आ रहे हैं। ये इंडेक्स बताता है कि पासपोर्ट कितनी जगहों पर बिना वीजा के घूमने की आजादी देता है।

सिंगापुर टॉप पर, एशिया की बढ़त बरकरार : सिंगापुर का पासपोर्ट दुनिया में नंबर 1 है। इसके धारक 192 देशों में बिना पहले वीजा लिए जा सकते हैं। ये लगातार कई सालों से टॉप पर बना हुआ है। जापान और साउथ कोरिया संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं, दोनों के पासपोर्ट से 188 जगहों पर वीजा-फ्री एंट्री मिलती है। वहीं तीसरे स्थान पर डेनमार्क, लक्जमबर्ग, स्पेन, स्वीडन और स्विट्जरलैंड हैं, हर एक से 186 डेस्टिनेशन वीजा-फ्री हैं। चौथे नंबर पर 10 यूरोपीय देश टाई हैं। इनमें ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, आयरलैंड, इटली, नीदरलैंड्स और नॉर्वे शामिल हैं। इनके पासपोर्ट से 185 जगहों पर आसानी से घूमा जा सकता है। पांचवें स्थान पर हंगरी, पुर्तगाल, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया और यूएई हैं, जहां 184 डेस्टिनेशन वीजा-फ्री हैं। भारत का पासपोर्ट 2026 में 80वें स्थान पर है। भारतीय पासपोर्ट धारक अब 55 देशों में वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल जा सकते हैं। पिछले साल यानी 2025 में भारत 85वें स्थान पर था, तो ये पांच पायदानों की बढ़त है। भारत अभी भी ग्लोबल औसत से काफी नीचे है और कई उभरते देशों से पीछे चल रहा है। ज्यादा तर देशों में भारतीयों को पहले वीजा लेना पड़ता है।

दुनिया का सबसे कमजोर पासपोर्ट : इस लिस्ट में सबसे निचले पायदान पर अफगानिस्तान है। इसका पासपोर्ट सिर्फ 24 जगहों पर वीजा-फ्री एक्सेस देता है। सिंगापुर से तुलना करें तो ये गैप 168 डेस्टिनेशन का है। ये अंतर युद्ध, अस्थिरता और कम डिप्लोमैटिक रिश्तों की वजह से है। दुनिया में अमीर और गरीब देशों के बीच यात्रा की आजादी का फर्क लगातार बढ़ रहा है। दुनिया का सबसे भरोसेमंद पासपोर्ट रैंकिंग है। ये बताता है कि किसी पासपोर्ट से कितने देशों में बिना पहले वीजा के जा सकते हैं। ये डेटा इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन से लिया जाता है। 20 साल से ज्यादा का इतिहास होने की वजह से सरकारें, नीति निर्माता और आम लोग इसे ट्रैवल फ्रीडम का बेंचमार्क मानते हैं। ये इंडेक्स हर साल जनवरी में अपडेट होता है।

अमेरिका के बाद इस्राइल ने भी यूएन की कई एजेंसियों से तोड़ा नाता

तेल अवीव , एजेंसी। अमेरिका के बाद इस्राइल ने भी खुद को संयुक्त राष्ट्र की कई एजेंसियों से अलग कर लिया है। इस्राइल ने अपने इस कदम की वजह बताते हुए कहा कि ये एजेंसियां लगातार उसके प्रति पक्षपात कर रहीं थीं और राजनीति कर रहीं थीं। बीते हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों और संधियों से अमेरिका को अलग कर लिया था। इनमें से आधे संगठन संयुक्त राष्ट्र के थे। ट्रंप ने आरोप लगाया कि ये एजेंसियां अमेरिका के हितों के खिलाफ काम कर रही हैं। इस्राइली विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर क्या कहा? इस्राइल के विदेश विभाग ने एक बयान जारी कर कहा, अमेरिका के संयुक्त राष्ट्र के कई संगठनों से हटने के बाद हमने भी समीक्षा की। जिसके बाद इस्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने तय किया कि इस्राइल तुरंत प्रभाव से संयुक्त राष्ट्र और कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अपने नाते तोड़ रहा है। साथ ही विदेश मंत्री ने मंत्रालय को निर्देश दिया है कि अन्य एजेंसियों के साथ ही संबंधों की समीक्षा की जा रही है और विचार-विमर्श के बाद आगे का फैसला लिया जाएगा। इस्राइल ने यूएन के जिन संगठनों से नाता तोड़ा है, उनमें चिल्ड्रन एंड आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट ऑफिस, यूएन वुमन, यूएन कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड एंड डेवलेपमेंट, यूएन इकॉनोमिक एंड सोशल कमीशन फॉर वेस्टर्न एशिया, यूएन अलायंस ऑफ सिविलाइजेशन, यूएन एनर्जी और माइग्रेशन एंड डेवलेपमेंट ग्लोबल फोरम जैसे संगठन शामिल हैं। इस्राइल सरकार ने बताया कि चिल्ड्रन एंड आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट ने इस्राइली सेना को, हमास, फलस्तीन के साथ काली सूची में डाला हुआ है। ऐसे में इस्राइल ने इस संगठन से हटने का फैसला किया है। इस्राइल ने जून 2024 में इस संगठन से रिश्ते तोड़े हुए थे और अब आधिकारिक रूप से इस संगठन से हटने का एलान कर दिया है। यूएन वुमन संगठन द्वारा इस्राइली महिलाओं के साथ हमास द्वारा किए गए यौन शोषण को नजरअंदाज करने के चलते इस्राइल की सरकार ने इस संगठन से हटने का तय किया है।

कनाडा के पीएम का चीन दौरा बेहद खास, क्या अमेरिका के सहयोगियों को तोड़ने की कोशिश कर रहा बीजिंग?

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री बुधवार चीन दौरे पर पहुंच गए। कनाडा के पीएम का चीन दौरा वैश्विक राजनीति में बदलते परिदृश्य का उदाहरण है क्योंकि कई वर्षों के बाद कनाडा के पीएम चीन दौरे पर पहुंचे हैं। वहीं चीन भी इस मौके को भुनाने की ताक में है और उसने कनाडा को उसके करीबी सहयोगी अमेरिका से दूर करने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। चीन के सरकारी मीडिया में क्या लिखा जा रहा है? चीन के सरकारी मीडिया ने कनाडा की सरकार से अपील की है कि वे अमेरिका से स्वतंत्र विदेश नीति अपनाएं, जिसे रणनीतिक स्वायत्ता कहते हैं। चीन के सरकारी अखबार चाइना डेली ने अपने एक संपादकीय में लिखा कि अगर कनाडाई पक्ष पिछले कुछ वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों में आई गिरावट के मूल कारणों पर विचार करती है तो

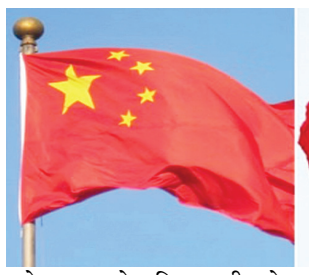

उसे एहसास होगा कि वह चीन से जुड़े मुद्दों को संभालते समय अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए बन सकता है। अगर ओटावा भविष्य में भी अपनी चीन नीति को वॉशिंगटन की मर्जी के हिसाब से चलाता है, तो बीजिंग के साथ रिश्ते सुधारने की उसकी पिछली सारी कोशिशें बेकार हो जाएंगी। वहीं ग्लोबल टाइम्स ने लिखा कि अमेरिका का बिना सोचे-विचारे सहयोग करने और चीन पर उच्च टैरिफ लगाने के बाद अब लगता है कि कनाडा की रणनीतिक स्वायत्ता की समझ जाग रही है। हालांकि कनाडा के अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि कार्नी की चीन यात्रा से दोनों देशों के बीच व्यापार मजबूत होने की उम्मीद है, लेकिन इससे कनाडा द्वारा लगाए गए टैरिफ हटेंगे या नहीं ये अभी तय नहीं है।

अमेरिका से खराब रिश्तों के चलते चीन को दिख रहा अवसर : दरअसल कनाडा, लंबे समय से अमेरिका का करीबी सहयोगी है। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक विदेश नीति और टैरिफ के चलते अमेरिका और कनाडा के रिश्तों में भी इन दिनों थोड़ी तल्खी है। ट्रंप ने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कही है। जो बाइडन के कार्यकाल में अमेरिका ने यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, भारत, कनाडा और अन्य देशों के साथ मिलकर चीन को घेरने की रणनीति बनाई थी। हालांकि अब ट्रंप के समय में अमेरिका जिस तरह से मनमानी कर रहा है, उसमें चीन को अपने लिए अवसर दिख रहे हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का चीन दौरा व्यापार पर फोकस है और कनाडा भी अब अमेरिका से इतर अपने लिए बाजार ढूंढ रहा है और अमेरिका पर अपनी निर्भरता को कम कर रहा है। यही वजह है कि कनाडा और चीन के रिश्ते फिर से बेहतर हो रहे हैं, जो कि जस्टिन ट्रूडो सरकार में खराब थे।

आपने 40 साल से आतंकवाद पर चुप्पी साध रखी है, भारत ने कनाडा को दिखाया आईना

टोरंटो , एजेंसी। कनाडा में भारत के हाई कमिश्नर दिनेश पटनायक खालिस्तानी आतंकवादियों को लेकर तीखा हमला बोला है। कनाडा के सरकारी चैनल सीबीसीपर मंगलवार को दिए इंटरव्यू पटनायक ने कहा कि कनाडा ने पिछले 40 सालों में अपनी जमीन पर चल रही आतंकी गतिविधियों के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया, इससे भारत विरोधी चरमपंथ को बढ़ावा मिला है। हरदीप सिंह निज्जर मामले को लेकर सीबीसी के एंकर ने बार-बार कहा कि कनाडाई खुफिया और पुलिस के पास भारतीय एजेंटों से जुड़ी विश्वसनीय जानकारी है, लेकिन पटनायक ने इसे सिरे से खारिज कर

दिया। निज्जर की हत्या को लेकर पटनायक ने पूछा, सबूत कहां हैं? ये सिर्फ आरोप हैं, जिनके पीछे कोई प्रमाण नहीं है। आरोप लगाना आसान है। उन्होंने कनाडा पर उंगली उठाते हुए कहा कि भारत जब कनाडा में सक्रिय आतंकियों की जानकारी देता है, तो कनाडाई पक्ष सबूत की कमी का बहाना बनाता है। लेकिन जब कनाडा भारत पर आरोप लगाता है, तो उम्मीद करता है कि बिना सबूत के ही माने जाएं। हाई कमिश्नर ने 1985 के एअर इंडिया बम विस्फोट का जिक्र किया, जिसमें 329 लोग मारे गए थे। उन्होंने कहा, इस हमले की जांच आज तक कुछ नहीं निकाल पाई। कनाडा में आतंकवाद पर 40 साल से बात हो रही है, लेकिन किसी को सजा नहीं हुई। पटनायक ने कनाडा पर डबल स्टैंडर्ड अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, जब मैं आरोप लगाता हूं और आप कहते हैं सबूत काफी नहीं, तो मैं मानता हूं। लेकिन जब आप मुझे आरोपित करते हैं और मैं सबूत मांगता हूं, तो आपको भी वैसा ही करना चाहिए। इंटरव्यू में एंकर ने भारतीय सरकार पर भरोसे की कमी का मुद्दा उठाया, लेकिन पटनायक ने साफ कहा कि भारत सरकार ऐसी हरकतें नहीं करती। अगर कोई व्यक्ति सबूतों के आधार पर दोषी पाया जाता है, तो भारत खुद कार्रवाई करेगा उन्होंने कहा, हमें आपकी कार्रवाई की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी साफ किया कि भारत को अलगाववादी जनमत संग्रह से समस्या नहीं है, बल्कि उन लोगों से है जो भारत में अपराधी हैं या विदेश में आतंकी गतिविधियां चला रहे हैं।

संघर्ष जारी रखें, इनके जुल्मों का हिसाब करेंगे

तेहरान , एजेंसी। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों और हिंसा के बीच ईरान के निर्वासित युवराज रेजा पहलवी लगातार केंद्र में बने हुए हैं। वे प्रदर्शनकारियों का समर्थन कर रहे हैं और उन्हें सड़कों पर बने रहने की अपील कर रहे हैं। अब ताजा संदेश में रेजा पहलवी ने प्रदर्शनकारियों से संघर्ष जारी रखने की अपील की। उन्होंने ईरान की सरकार को चेतावनी दी कि जल्द ही इनके जुल्मों का हिसाब किया जाएगा। साथ ही उन्होंने ईरान की सेना से भी अपील की है कि वे प्रदर्शनकारियों का साथ दें क्योंकि उनके पास ज्यादा समय नहीं बचा है। निर्वासित युवराज रेजा पहलवी ने सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में लिखा, मेरे देशवासियों, दुनिया अब आपकी आवाज और हिम्मत को सुन ही नहीं रही बल्कि इसका जवाब भी दे रही है। अभी आपने अमेरिका के राष्ट्रपति का संदेश सुना होगा कि मदद रास्ते में है। संघर्ष जारी रखें, जो आपने अभी तक किया है। इस सरकार को ऐसा भ्रम पैदा न करने दें कि सबकुछ सामान्य है। इस पूरे नरसंहार के बाद हमारे और इस सरकार के बीच खून का दरिया है। इन अपराधियों के नाम बचाकर रखें क्योंकि इन्हें इसकी सजा जरूर दी जाएगी।

ईरान की सेना से की अपील- प्रदर्शनकारियों का साथ दें : रेजा पहलवी ने ईरान की सेना से भी अपील की और कहा कि वे ईरान की सेना हैं न कि इस्लामिक गणराज्य की सेना। उन्होंने सेना से कहा कि अब उनके पास ज्यादा समय नहीं बचा है, इसलिए जितना जल्दी संभव हो सके,

प्रदर्शनकारियों का साथ दें। रेजा पहलवी ईरान के अंतिम शाह के बेटे हैं। साल 1979 में ईरान की इस्लामिक क्रांति के बाद शाह की सत्ता चली गई और उसके बाद से रेजा पहलवी निर्वासन में ही रह रहे हैं। ईरान में दिसंबर के अंतिम दिनों में आर्थिक संकट के चलते शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन जारी है और अब तक इस प्रदर्शन में दो हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने का दावा किया जा रहा है। मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बयान में प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि मदद आ रही है और उन्होंने ईरान में रह रहे अमेरिकियों को तुरंत देश छोड़ने की सलाह दी है। ट्रंप के इस बयान के बाद कयास लग रहे हैं कि अमेरिका जल्द ईरान के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर सकता है। आर्थिक संकट में फंसे ईरान को घेरने के लिए ट्रंप ने एक और बड़ा कदम उठाया है। दरअसल ट्रंप ने घोषणा की कि जो भी देश ईरान के साथ व्यापार करेगा, उसे अमेरिका के साथ व्यापार करने पर 25त अतिरिक्त आयात शुल्क चुकाना होगा। इस आदेश का सीधा असर उन देशों पर पड़ेगा जो ईरान से तेल खरीदते हैं, जिससे ईरान की अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा सकती है।

150 साल बाद स्पेन को मिलने जा रही पहली रानी, 20 वर्षीय प्रिंसेस लियोनोर रचेंगी इतिहास

मैड्रिड , एजेंसी। स्पेन में 150 साल में पहली बार एक रानी शासन संभालने जा रही है। राजा फेलिप और रानी लेटिजिया की 20 साल की बेटी राजकुमारी लियोनोर अब अपने परिवार की गद्दी संभालने के लिए तैयार हैं। 1800 के दशक से अब तक इसाबेला सेकंड के बाद वे देश की पहली महिला शासक बनने वाली हैं। 1700 के दशक के आरंभ से ही स्पेन का राज बोर्बोन राजवंश के पास रहा है। इन्होंने स्पेन के उत्तराधिकार युद्ध में हैब्सबर्ग राजवंश पर विजय प्राप्त की थी।

स्पेन की रानी बनेंगी लियोनोर : जनरल फ्रेंको की तानाशाही समाप्त होने के बाद, 1975 में राजा जुआन कार्लोस प्रथम के साथ राजशाही बहाल हुई, जिन्होंने स्पेन को लोकतंत्र की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 2014 में पद त्याग दिया और सिंहासन अपने पुत्र फेलिप को सौंप दिया। अब उनकी बेटी लियोनोर सिंहासन की अगली उत्तराधिकारी हैं। लियोनोर के पिता फेलिप ने 2004 में पूर्व पत्रकार लेटिजिया से शादी की और 42 वर्ष की उम्र में वह रानी बनीं। इस शाही दंपति की दो बेटियां हैं। पहली बेटी राजकुमारी लियोनोर, जिनका जन्म 2005 में हुआ और जो इस समय सिंहासन की उत्तराधिकारी हैं। वहीं दूसरी बेटी इन्फेंटा सोफिया, जिनका जन्म 2007 में हुआ।

20 साल की उम्र में पूरी की ट्रेनिंग : स्पेन के कानून के अनुसार, सिंहासन पर बैठने से पहले उत्तराधिकारी को सेना, नौसेना और वायु सेना में सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त करना जरूरी होता है। लियोनोर ने वेल्स के यूडब्ल्यूसी अटलांटिक कॉलेज से इंटरनेशनल बैकलॉरिएट डिप्लोमा के साथ अपनी उच्च शिक्षा शुरू की। स्पेन की होने वाली रानी ने तब से ही देश की कमांडर-इन-चीफ के रूप में भी सैन्य प्रशिक्षण शुरू कर दिया। लियोनोर ने अगस्त 2023 में

जरागोजा में सेना प्रशिक्षण के साथ सैन्य सफर की शुरुआत की, जहां वह 560 कैडेटों के एक ग्रुप में शामिल हुईं। 2024 में, लियोनोर ने गैलिसिया में नौसेना प्रशिक्षण की शुरुआत की और ट्रेनिंग शिप जुआन सेबेस्टियन डी एल्कानो पर सवार होकर 140 दिनों की 17,000 मील की समुद्री यात्रा पर निकलीं। इस यात्रा के दौरान, उन्होंने चालक दल के सदस्य के रूप में अटलांटिक महासागर, दक्षिण अमेरिका के चारों ओर और न्यूयॉर्क तक की यात्रा की। दिसंबर 2025 में, लियोनोर ने अकेले ही पिलाटस पीसी-21 विमान में अपनी पहली उड़ान पूरी की और ऐसा करने वाली वह स्पेनिश शाही परिवार की पहली महिला सदस्य बनीं। स्पेन की होने वाली रानी लियोनोर ने राज परिवार की गद्दी संभालने के लिए सभी तरह की ट्रेनिंग ले ली है और वह केवल 20 साल की उम्र में सत्ता संभालने के लिए तैयार हैं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली एयरपोर्ट पर टला बड़ा हादसा, एयर इंडिया के ए350 विमान के इंजन से टकराया कंटेनर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) पर गुरुवार को बड़ा हादसा टल गया। एयर इंडिया का विमान एयरबस ए350 विमान के इंजन से बड़ा लोहे का कंटेनर टकरा गया। बताया जा रहा है कि कंटेनर टकरा कर अंदर घुस गया। कंटेनर के अंदर घुसने की वजह से विमान का इंजन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। इंजन को ठीक करने का काम हो रहा है। अच्छी बात ये है कि इंजन के अलावा किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है। इस बीच, दिल्ली से सिंगापुर जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 2380 को उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद तकनीकी खराबी के संदेह के कारण वापस दिल्ली लौटना पड़ा। चालक दल (क्रू) ने सावधानी बरताकर विमान को वापस मोड़ने का फैसला किया, जिसके बाद विमान सुरक्षित रूप से दिल्ली हवाई अड्डे पर उतर गया। एयर इंडिया के प्रवक्ता के अनुसार, दिल्ली में मौजूद ग्राउंड टीम ने यात्रियों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई। बाद में सभी यात्रियों को दूसरे वैकल्पिक विमान से सिंगापुर के लिए रवाना किया गया।

अपनी ही बेटी से कुकर्म करने वाले वायुसेना कर्मचारी को 20 साल की सजा

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून की जिला अदालत ने एक एयरफोर्स कर्मी को अपनी बेटी के साथ लगातार यौन शोषण के मामले में 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। अदालत ने इसे विकृत कामुकता का गंभीर मामला बताते हुए कहा कि ऐसे कृत्य बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए अत्यंत हानिकारक हैं तथा समाज के लिए कलंक हैं। मामला तब सामने आया जब पीड़िता ने 17 वर्ष की उम्र में अपनी मां को सब कुछ बता दिया। पीड़िता ने अदालत में गवाही दी कि आरोपी ने उसे मात्र 5 वर्ष की उम्र से शिकार बनाना शुरू किया था और यह सिलसिला 17 वर्ष की उम्र तक जारी रहा। आरोपी ने मथुरा, गुजरात और देहरादून में विभिन्न पोस्टिंग के दौरान कई बार दुष्कर्म किया। जब वह ड्यूटी पर बाहर होता, तो वीडियो कॉल करके पीड़िता को कपड़े उतारने के लिए मजबूर करता और न मानने पर पीटने की धमकी देता। 17 नवंबर 2023 को रायपुर थाने में मां की शिकायत पर मामला दर्ज हुआ। विशेष लोक अभियोजक अल्पना थापा ने बताया कि जांच में पीड़िता के बयान, अन्य साक्ष्य और गवाही के आधार पर आरोपी को दोषी पाया गया। विशेष न्यायाधीश अर्चना सागर की अदालत ने बुधवार को सजा सुनाई। अदालत ने राज्य सरकार को पीड़िता को तीन लाख रुपये का मुआवजा देने का भी आदेश दिया। अदालत की तीखी टिप्पणी में कहा गया कि यह विकृत कामुकता का मामला है। बचाव पक्ष ने दलील दी कि मेडिकल रिपोर्ट में चोट के निशान नहीं थे और हाइमन इन्टैक्ट था, इसलिए दुष्कर्म साबित नहीं होता। अदालत ने इस दलील को पूरी तरह खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि पीड़िता की गवाही विश्वसनीय है। कोई भी बेटी अपने सगे पिता पर ऐसे गंभीर झूठे आरोप नहीं लगाएगी। जैसे-जैसे वह बड़ी हुई, उसे अपने साथ हो रहे गलत काम की समझ आई।

लुधियाना कोर्ट को मानव बम से उड़ाने की धमकी, अजमल नाम से आया ईमेल

लुधियाना (एजेंसी)। राजस्थान के लुधियाना में एक सिरफिरे ने ज्यूडिशियल कॉम्प्लेक्स को दहलाने की धमकी दी थी यह ई-मेल अजमल अब्दुल राज के नाम से आई थी, जिसने मानव बम के जरिए धमाका करने की बात कही गई थी। पुलिस का कहना हैं कि ये नाम फर्जी है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह ई-मेल भेजने वाले व्यक्ति ने अपनी पहचान अजमल अब्दुल राज के रूप में बताई है। ई-मेल में स्पष्ट रूप से लिखा है कि ज्यूडिशियल कॉम्प्लेक्स लुधियाना में मानव बम का इस्तेमाल कर बड़ा धमाका किया जाएगा। इस गंभीर मामले को देखते हुए सेशन जज साहब के कार्यालय की ओर से आदेश जारी किया गया है। कोर्ट ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए रिपोर्ट दर्ज करने और जांच के आदेश दिए हैं, जिसके बाद पुलिस ने ई-मेल के तकनीकी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है ताकि आरोपी की लोकेशन का पता लगाया जा सके। साइबर सेल की टीमें इस ई-मेल के स्रोत को खंगालने में जुट गई हैं। कोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और आने-जाने वाले संदिग्धों पर पैनी नजर रखी जा रही है।

जुबीन गर्ग की मौत पर कांग्रेस नेता गोगोई का बयान, किस पर करें भरोसा, सरमा पर या फिर सिंगापुर पुलिस पर?

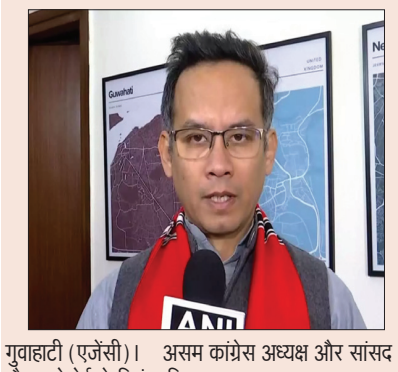

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद गौरव गोगोई ने हिमंता बिस्वा सरमा सरकार पर सवाल उठाकर कहा कि गायक जुबीन गर्ग की मौत को लेकर विरोधाभासी दावे सामने आ रहे हैं। कांग्रेस नेता गोगोई ने कहा कि जहां असम के मुख्यमंत्री ने इस हत्या बताया है, वहीं सिंगापुर के अधिकारियों ने जांच के बाद कहा है कि मौत स्वाभाविक थी और इसमें किसी तरह की साजिश नहीं थी। उन्होंने सवाल उठाया कि किस बात पर भरोसा किया जाए। कांग्रेस नेता गोगोई ने कहा कि हमें किस पर भरोसा करना चाहिए? सीएम सरमा ने कहा कि जुबीन गर्ग की हत्या हुई थी और उनकी एसआईटी टीम के जरिए पांच लोगों को गिरफ्तार किया। चार्जशीट में पांच से छह लोगों के खिलाफ साजिश के आरोप लगाए गए हैं, जिसमें कहा गया है कि उन्होंने जुबीन की हत्या की साजिश रची और अंजाम दिया। उन्होंने बताया कि सिंगापुर सरकार ने विस्तृत जांच के बाद निष्कर्ष निकाला है कि मौत स्वाभाविक थी और इसमें किसी तरह की साजिश नहीं थी। उन्होंने कहा कि सिंगापुर सरकार का कहना है कि यह एक सामान्य मौत थी और इसमें कोई साजिश नहीं थी। गहन जांच के बाद उनका यही निष्कर्ष है। अब हमें किस पर भरोसा करना चाहिए, सिंगापुर पक्ष पर या मुख्यमंत्री शर्मा पर, जिन्होंने खुद विधानसभा में कहा था कि जुबीन गर्ग की हत्या की गई थी? इस सप्ताह की शुरुआत में, असम सरकार ने जुबीन गर्ग हत्याकांड में विशेष लोक अभियोजकों की एक टीम की नियुक्ति को मंजूरी दी।

उद्धव ठाकरे का चुनाव आयोग पर आरोप, अमिट स्याही नेल रिमूवर और सैनिटाइजर से हट रही

महाराष्ट्र में चुनाव आयोग और महायुति के बीच मिलीभगत

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और पूर्व सीएम उद्धव बालासाहेब ठाकरे ने महाराष्ट्र की 29 नगर निगमों में जारी मतदान में धांधली के आरोप लगा दिए है। पूर्व सीएम ठाकरे ने आरोप लगाया कि मतदान के बाद मतदाताओं की उंगलियों पर लगाने वाली अमिट स्याही को नेल पॉलिश रिमूवर और सैनिटाइजर से आसानी से हटाया जा रहा है, जिससे कुछ लोग एक से अधिक बार वोट डाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति सत्ताधारी महायुति और राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) के बीच मिलीभगत का बड़ा सबूत है। प्रेसवार्ता में पूर्व सीएम ठाकरे ने आरोप लगाया कि शायद यह पहला चुनाव है जिसमें इतनी शिकायतें आ रही हैं कि लगाई गई स्याही तुरंत हट रही है। महाराष्ट्र में चुनाव आयोग और महायुति के बीच मिलीभगत है। कई अनियमितताएं हो रही हैं। चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर उन्होंने चुनाव आयोग पर कटाक्ष कर पूछा कि क्या उन्होंने स्याही को इतनी आसानी से हटाने के लिए किसी सैनिटाइजर एजेंसी को काम पर रखा था? मुझे लगता है कि चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने बीते नौ वर्षों में क्या किया है? चुनाव आयोग एक सेवक है, राजा नहीं। मैं आप सभी से बड़ी संख्या में मतदान करने का आग्रह करता हूं। उन्होंने कहा कि कई लोग यह नहीं जानते कि उनका मतदान केंद्र कौन सा है...इसी वजह से कई समस्याएं आ रही हैं।

उन्होंने अपने मोबाइल पर सैनिटाइजर या नेल पॉलिश रिमूवर से स्याही हटाने का कथित सबूत दिखाकर कहा कि यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि यहां लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। उन्होंने कहा, चुनाव आयुक्त वेतन क्यों ले रहे हैं? बीएमसी चुनाव नौ साल बाद हो रहे हैं। इन नौ सालों में उन्होंने क्या किया? यह जनता का पैसा है।

महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले में ईडी ने 21.45 करोड़ रुपए की संपत्ति की जब्त, यह गिरोह छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत देश के कई हिस्सों में सक्रिय था

नई दिल्ली (एजेंसी)। महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले में ईडी ने बड़ा एक्शन लेते हुए छत्तीसगढ़ में 21.45 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की है। अवैध सट्टेबाजी और मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क के खिलाफ एजेंसी ने ये कार्रवाई की। ईडी का कहना है कि यह कार्रवाई अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच पर आधारित है। यह गिरोह छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और देश के अन्य हिस्सों में सक्रिय था। जब्त की गई संपत्तियों में अवैध सट्टेबाजी गतिविधियों से अर्जित अपराध की आय से प्राप्त संपत्तियां और निवेश शामिल हैं। ईडी की जांच में पता चला है कि महादेव सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म प्रमोटरों, पैनल संचालकों और एजेंटों के सुनियोजित नेटवर्क के जरिए संचालित हो रहा था। काली कमाई को फर्जी खातों, बेनामी खातों और कई स्तरों के वित्तीय लेनदेन के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग किया जाता था। जांचकर्ताओं ने बताया कि मुनाफे का बड़ा हिस्सा 70 से 75 फीसदी मुख्य प्रमोटरों को मिलता था, जबकि शेष हिस्सा एजेंटों और उप-एजेंटों में बांटा जाता था। ये लोग सट्टेबाजी के संचालन, अकाउंट्स के प्रबंधन और डिजिटल और सोशल मीडिया चैनलों के जरिए प्लेटफॉर्म को बढ़ावा देने में शामिल रहे हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि अवैध रकम को ट्रांसफर करने और छिपाने के लिए कई बैंक खातों और जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया था। अब तक ईडी ने कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया और हजारों करोड़ के वित्तीय लेन-देन की जांच की। अधिकारियों ने बताया कि महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले में 2600 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। इस मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

ईरान में फंसे भारतीय छात्रों को लेकर चिंतित ओवैसी और उमर... जयशंकर से की अपील

हैदराबाद (एजेंसी)। एआईएमआईएम नेता और सांसद असदुद्दीन ओवैसी और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र से ईरान में जारी अशांति के बीच फंसे भारतीय छात्रों की तत्काल मदद करने की अपील की है। ओवैसी ने कहा कि इन छात्रों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। ओवैसी ने कहा कि विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर का ईरान के विदेश मंत्री से बात करना एक अच्छा कदम है। हालांकि, उन्होंने कहा कि केवल बातचीत पर्याप्त नहीं है और छात्रों को सुरक्षित वापस लाने के लिए जमीनी स्तर पर काम होना चाहिए है। उन्होंने बताया कि कई चिंतित अभिभावकों ने मुझसे संपर्क किया है। ओवैसी के अनुसार, ईरान के शाहिद बेहेश्टी विश्वविद्यालय में करीब 70 से 80 भारतीय छात्र पढ़ते हैं, जिसमें हैदराबाद के पांच से आठ छात्र शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि समस्या यह है कि ईरान में इंटरनेट ठप है। दूसरी बात, अभिभावक टिकट खरीदकर अपने बच्चों को भेज भी नहीं सकते। तीसरी बात, कई छात्र गरीब परिवारों से हैं और उनके पास टिकट खरीदने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि विश्वविद्यालय छात्रों के पासपोर्ट वापस नहीं कर रहा है, जिसके कारण वे ईरान छोड़कर भारत वापस नहीं आ पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे स्थिति और भी तनावपूर्ण हो गई है।

वहीं जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने विदेश मंत्री डॉ.जयशंकर से ईरान में तेजी से बदलती स्थिति के बारे में बात की है, जहां भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं हैं। अब्दुल्ला ने बताया कि मंत्री ने उन्हें मौजूदा स्थिति से अवगत कराया और मंत्रालय द्वारा घटनाक्रम से निपटने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में जानकारी दी।

मकर संक्रांति स्नान-एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई

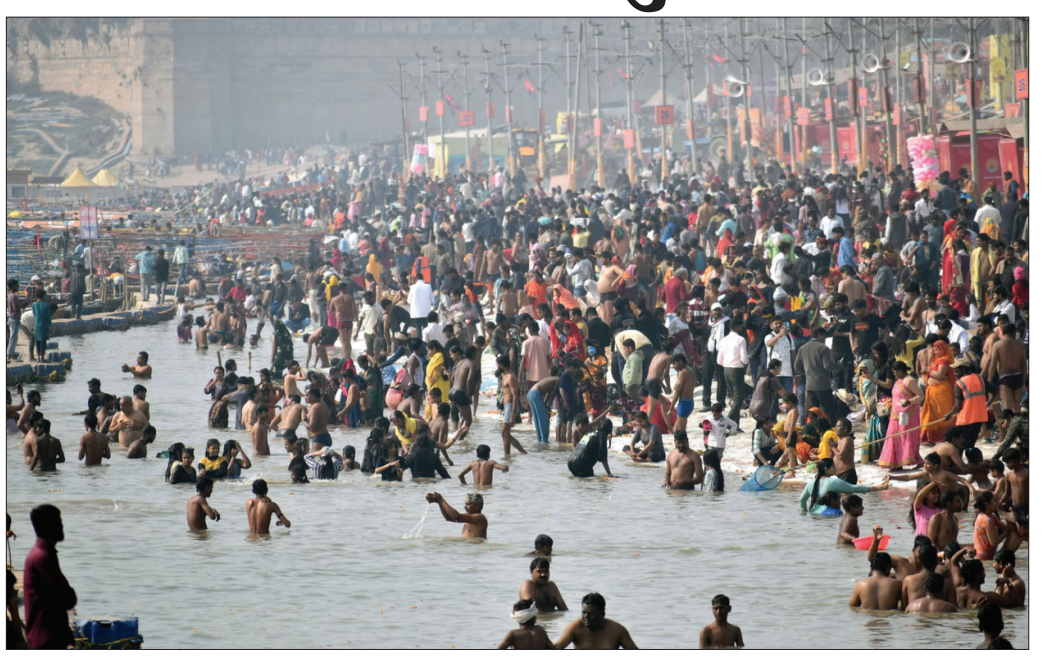

प्रयागराज (एजेंसी)। संगम नगरी प्रयागराज में चल रहे माघ मेले में बृहस्पतिवार को मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर पतित पावनी मां गंगा और त्रिवेणी के संगम स्थल पर एक करोड़ श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगायी। देर शाम तक स्नान करने वालों का तांता लगा रहा है। दोपहर दो बजे तक ही 72 लाख लोगों ने गंगा और संगम में डुबकी लगा चुके थे। हालांकि बीती रात 12 बजे से ही स्नान प्रारंभ हो गया था।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक आस्था और जगत पिता भगवान सूर्य की उपासना के पावन पर्व मकर संक्रांति के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पवित्र संगम में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित करने वाले सभी श्रद्धालु भगवान भास्कर की कृपा से अभिभूत हों और माँ गंगा, यमुना व सरस्वती का आशीर्वाद सभी पर सदैव बना रहे। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि मकर संक्रांति लोक आस्था, आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक परंपराओं का महापर्व है, जो सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक उन्नयन का संदेश देता है।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कृषि-संस्कृति, प्रकृति संरक्षण और अन्नदाता किसानों के पुरुषार्थ को समर्पित पावन पोंगल पर्व की भी सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि समृद्धि और सद्भाव का संदेश देने वाला यह पर्व सभी के जीवन को सुख, शांति, आनंद और आरोग्यता से परिपूर्ण करे, यही उनकी प्रार्थना है। मुख्यमंत्री ने कामना की कि ये पर्व प्रदेश और देश में खुशहाली, समृद्धि और सामाजिक सौहार्द को और सुदृढ़ करें।

मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने बताया कि माघ मेला 800 हेक्टेयर क्षेत्र में सात सेक्टरों में बसाया गया है। मेला क्षेत्र में 25,000 से अधिक शौचालय स्थापित किए गए हैं और 3500 से अधिक सफाईकर्मी तैनात हैं। अग्रवाल ने बताया कि छोटी अवधि का कल्पवास करने के इच्छुक पर्यटकों के लिए माघ मेला में टेंट सिटी बसाई गई है जहां ध्यान और योग आदि की सुविधाएं मौजूद हैं। श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए बाइक टैक्सी और गोल्फ कार्ट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। पुलिस अधीक्षक (माघ मेला) नीरज पांडेय ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए पूरे मेला क्षेत्र में 10,000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात हैं। भीड़ प्रबंधन एवं सुगम यातायात के दृष्टिगत इस बार 42 अस्थायी पार्किंग हैं जिनमें लगभग एक लाख से अधिक वाहन पार्क हो सकेंगे। उन्होंने बताया कि माघ मेला 2025-26 में कुल 12,100 फुट लंबे घाटों का निर्माण किया गया है जिनमें सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं।

एयर इंडिया और इंडिगो ने जारी की एडवाइजरी, ईरान का हवाई क्षेत्र बंद, रद्द हो सकती हैं उड़ानें

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के हवाई क्षेत्र के अचानक बंद होने से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर असर पड़ रहा है। एयर इंडिया और इंडिगो सहित कई भारतीय एयरलाइंस ने यात्रियों को ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है, जिसमें संभावित देरी, रूट परिवर्तन और कुछ उड़ानों के रद्द होने की चेतावनी दी गई है। यह स्थिति पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ईरान में जारी सरकार-विरोधी प्रदर्शनों के बीच सामने आई है।

एयर इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में बताया कि ईरान में उभरती स्थिति और उसके हवाई क्षेत्र के बंद होने के कारण यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र से गुजरने वाली उड़ानों को वैकल्पिक मार्गों से संचालित किया जा रहा है। इससे उड़ानों में देरी हो सकती है। एयरलाइन ने स्पष्ट किया कि जहां रूट परिवर्तन संभव नहीं है, वहां उड़ानें रद्द की जा रही हैं। यात्रियों से अपील की गई है कि वे एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति जरूर जांच लें। एयर इंडिया ने कहा, इस अप्रत्याशित व्यवधान से हुई असुविधा के लिए हमें खेद है। यात्रियों और क्रू की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इंडिगो ने भी इसी तरह की एडवाइजरी जारी की। एयरलाइन ने कहा कि ईरान द्वारा अचानक हवाई क्षेत्र बंद करने से कुछ अंतरराष्ट्रीय उड़ानें प्रभावित हुई हैं। यह स्थिति उसके नियंत्रण से बाहर है और यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया गया है। प्रभावित यात्रियों को इंडिगो की वेबसाइट पर जाकर फ्लेक्सिबल रीबुकिंग या रिफंड के विकल्पों की जानकारी लेने की सलाह दी गई है। एयरलाइन ने कहा कि टीम स्थिति का आकलन कर रही है और प्रभावित यात्रियों को बेहतर विकल्प उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है। ईरान ने अपने हवाई क्षेत्र को अधिकांश उड़ानों के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। यह बंदिश शाम को शुरू हुई और कुछ घंटों तक चली, हालांकि इसे आगे बढ़ाया जा सकता है। केवल आधिकारिक अनुमति वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को छूट दी गई है। यह कदम ईरान में जारी व्यापक विरोध प्रदर्शनों, इंटरनेट ब्लैकआउट और अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच उठाया गया है। क्षेत्रीय सुरक्षा जोखिमों के कारण कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ईरानी हवाई क्षेत्र से बच रही हैं।

अमेरिका ने भी मध्य पूर्व में अपने कुछ सैन्य अड्डों से कर्मियों को हटाने की प्रक्रिया शुरू की है। कतर के अल उदैद एयर बेस से कुछ कर्मियों को वापस बुलाया जा रहा है। ईरानी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका हमला करता है तो पड़ोसी देशों में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया जा सकता है। दोनों एयरलाइंस ने यात्रियों से सलाह दी है कि वे यात्रा से पहले उड़ान की ताजा जानकारी जांचें और एयरलाइन की आधिकारिक वेबसाइट या सोशल मीडिया पर अपडेट देखते रहें। मौजूदा हालात को देखते हुए आने वाले दिनों में भी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर असर जारी रह सकता है। यात्रियों को सतर्क रहने और वैकल्पिक योजनाएं बनाने की सलाह दी जा रही है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर शिकंजा, दिल्ली और पंजाब में मुठभेड़ों के बाद कई शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पश्चिमी दिल्ली में हुई मुठभेड़ के बाद पुलिस ने गिरोह से जुड़े दो शार्पशूटरों को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी के पैर में गोली लगी, जबकि दूसरा आरोपी नाबालिग बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए दोनों शूटर हाल ही में पश्चिम विहार और विनोद नगर इलाकों में हुई फायरिंग की घटनाओं में शामिल थे। दोनों से पूछताछ के बाद गैंग की गतिविधियों और स्थानीय नेटवर्क को लेकर अहम सुराग मिलने की उम्मीद है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर इलाके में घेराबंदी की गई थी। खुद को घिरता देख आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। घायल आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि नाबालिग आरोपी को किशोर न्याय प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए भेजा गया है। इसी क्रम में पंजाब में भी लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। संयुक्त अभियान के दौरान गिरोह के चार गुर्गों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया। ये आरोपी विदेश में बैठे गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों के निर्देश पर चंडीगढ़ ट्राइसिटी और पटियाला क्षेत्र में टारगेट किलिंग की साजिश रच रहे थे। पुलिस का कहना है कि इनका मकसद इलाके में दहशत फैलाना और संगठित अपराध को बढ़ावा देना था।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। इनमें सात .32 बोर की पिस्तौल और 70 जिंदा कारतूस शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हरविंदर सिंह उर्फ भोला, लखविंदर सिंह, मोहम्मद समीर और रोहित शर्मा के रूप में हुई है, जो सभी अलग-अलग आपराधिक मामलों में पहले से वांछित बताए जा रहे हैं। छापेमारी के दौरान अपराधियों ने पुलिस टीम पर गोलीबारी की, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से दो पुलिसकर्मियों की जान बच गई। जवाबी फायरिंग में दो आरोपी घायल हो गए, जिसके बाद चारों को काबू कर लिया गया। पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और पूछताछ जारी है। अधिकारियों का कहना है कि इन गिरफ्तारियों से बिश्नोई गैंग के नेटवर्क और आने वाली आपराधिक साजिशों पर बड़ा असर पड़ेगा।

कई राज्यों में रेत माफिया का दबदबा, पुलिस-वन विभाग अवैध खनन रोकने में नाकाम

-एक सप्ताह में दो लोगों की जा चुकी है जान, जिनमें एक वनकर्मी भी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में अवैध रेत का खनन विकराल रूप ले चुका है। राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में रेत माफिया का दबदबा इतना है कि वहां के आम नागरिक ही नहीं, बल्कि पुलिस और वन विभाग के अफसर भी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। जांच में सामने आया है कि दोनों राज्यों में अवैध खनन और परिवहन खुलेआम और बेखौफ तरीके से किया जा रहा है। हालात इतने गंभीर हैं कि बीते एक सप्ताह में दो लोगों की जान जा चुकी है, जिनमें एक वनकर्मी भी ड्यूटी के दौरान मारा गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान के धौलपुर जिले में चंबल नदी क्षेत्र से सामने आई घटना ने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अवैध रेत खनन रोकने गई वन विभाग की टीम पर माफिया ने जानलेवा हमला कर दिया। वन रक्षक जितेंद्र सिंह शेखावत को रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल जितेंद्र को जयपुर रेफर किया, जहां इलाज के दौरान उनका पैर काटना पड़ा, लेकिन अंततः उन्होंने दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद प्रशासन ने कुछ अवैध रास्ते बंद किए और एक आरोपी की गिरफ्तारी की, लेकिन स्थानीय लोगों का मानना है कि यह कार्रवाई सिर्फ दिखावटी है और माफिया का नेटवर्क जस का तस है।

धौलपुर की घटना के बाद अजमेर प्रशासन अलर्ट मोड में दिखा। अवैध खनन के खिलाफ विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए और संयुक्त टीमें गठित की गई हैं। कई इलाकों में नाकेबंदी कर ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त की गईं और जुर्माना भी लगाया गया है। हालांकि, जमीनी हकीकत यह है कि थोड़े समय की सख्ती के बाद हालात फिर पहले जैसे हो जाते हैं और माफिया सक्रिय हो जाता है।

अलवर जिले में अरावली की पहाड़ियां अवैध खनन की भेंट चढ़ रही हैं। राजगढ़ क्षेत्र के मूनपुर गांव में मंदिर के पास खुलेआम पत्थर खनन किया जा रहा है। भारी वाहन सड़कों से गुजरते हैं, लेकिन न पुलिस रोकती है और न ही वन विभाग। एक मामले में माफिया के वाहनों ने एक घर की नींव तक तोड़ दी, जिससे पशुओं की मौत हो गई। लोगों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होती और पर्यावरण को अपूरणीय नुकसान पहुंच रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि खनन बस्तियों के बेहद पास हो रहा है, ब्लास्टिंग से घरों में दरारें आ गई हैं और प्रशासन आंख मूंद कर बैठा है।

मध्य प्रदेश में भी हालात अलग नहीं हैं। श्योपुर जिले में अवैध रेत से भरे डंपर को जब्त करने गई वन विभाग की टीम पर पथराव किया गया। तेज रफ्तार ट्रैक्टर से कुचलकर एक युवक की मौत हो गई और उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गई। आरोपी अब भी फरार है। इन घटनाओं ने साफ कर दिया है कि अवैध रेत खनन सिर्फ पर्यावरण का संकट नहीं, बल्कि कानून व्यवस्था और मानव जीवन के लिए भी खतरा बन चुका है। सवाल यह है कि क्या प्रशासन की कार्रवाई वास्तव में माफिया पर नकेल कसेगी या यह माफिया यूं ही बेलगाम घूमते रहेंगे।